epaper.dehatsandesh.com

3 प्रेरक व्याख्यान और कोचिंग कक्षाओं के साथ युवाओं को सशक्त बनाया
5 कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था: नडाल
8 गमलों में स्ट्रॉबेरी कैसे उगाएं

न्यूनतम 6 मौसम जम्मू अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-303 | जम्मू तवी, वीरवार 19 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

घर में आग लगने से एक ही परिवार के 6 सदस्यों की दम घुटने से मौत

कठुआ 18 दिसंबर। कठुआ शहर में बीती मंगलवार की रात बड़ी दुख भरी बीती, बुधवार को सुबह उठते ही लोगों को एक ही परिवार के 6 सदस्यों की दर्दनाक मौत की खबर से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई।

मामला कठुआ शहर के वार्ड नंबर 16 शिवनगर का है जहां जिला सचिवालय के समीप बुधवार की रात को हंसते खेलते परिवार के नौ लोग हर रोज की तरह रात का खाना खाकर सो गए। इन्हीं के घर में तीन लोग उनके रिश्तेदार भी आए हुए थे। उनमें से 6 सदस्यों को क्या पता था कि यह उनकी आखिरी रात होगी। मंगलवार देर रात दो बजे के करीब घर में अचानक धुंआ ही धुंआ हो गया जिसकी वजह से घर के एक ही कमरे में सोए 6 सदस्य बेसुध हो गए। जिसके बाद धुंए की वजह से दम घुटने से 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। ठीक साथ के कमरे में तीन अन्य सदस्य सोए हुए थे जो धुंए की बदबू से जाग गए। जब उन्होंने देखा के घर में धुंआ ही धुंआ है तो उन्होंने घर का दरवाजा खोल दिया। दरवाजा

खोलते ही पूरा कमरा धुंए से भरा हुआ था और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। रात के 2 बजे सर्द मौसम की वजह से सभी पड़ोसी गहरी नींद में सोए हुए थे लेकिन शोर मचाने के बाद आस पड़ोस के लोग भी इकट्ठे हुए और उन्होंने घर के अंदर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन धुंए ने पूरे घर को इस कदर गैर रखा था कि जो भी अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास करता था वे भी बेसुध हो जाता था। वहीं पड़ोसियों द्वारा चलाएं इस बचाओ अभियान में 09 लोगों को निकाल जिनमें से 06 की मौत हो चुकी थी। उसके बाद जीएमसी कठुआ से एंबुलेंस मौके पर पहुंची, कठुआ पुलिस को भी सूचना दी गई। इसके बाद 6 लोगों को बेसुध अवस्था में जीएमसी कठुआ लाया गया जहां पर सभी छह लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन अन्य सदस्यों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। सभी 6 मृतकों के शवों को जीएमसी कठुआ के शवग्रह में रखा गया है इस हादसे की खबर सांसद डॉ जितेंद्र सिंह तक पहुंची उन्होंने भी गहरा दुख व्यक्त किया और जिला प्रशासन को परिवार के हर संभव मदद देने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला प्रशासन की ओर से एक टीम उनके घर पर पहुंची। फिलहाल बुधवार को शवों को जीएमसी कठुआ में ही रखा गया दरअसल इसी परिवार की एक बेटी विदेश में काम करती है जो गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक कठुआ पहुंचेगी उसके भी एक चार वर्षीय बेटे की इस हादसे में मृत्यु हो गई है। गुरूवार को सभी शवों को परिजनों को सौंप जाएगा जिनका अंतिम संस्कार गुरुवार को होगा। मृतकों में एक 81 वर्षीय रिटायर्ड डीएसपी उनकी एक 25 वर्षीय बेटी और एक 3 साल का उनका बेटा है। इसी प्रकार उनके ही रिश्तेदारों के सगे भाई बहन और विदेश में रहने वाली उनकी बेटी का 4 वर्षीय बेटा शामिल है। पूरा दिन शहर में इस हादसे को लेकर चर्चा बनी रही, उनके घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, आस-पड़ोस शहर के विभिन्न हिस्सों से लोगों का आना-जाना लगा रहा और सभी उनके दुख में शामिल हुए और उन्हें हिम्मत देते नजर आए। फिलहाल आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है।

श्री माता वैष्णो देवी ट्रैक की दुकानें व कटरा पूरी तरह से रहा बंद, प्रशासन ने 23 दिसंबर तक का समय मांगा

कटरा, 18 दिसंबर। ताराकोट से सांझीशत तक लगने वाले रोपवे के विरोध में 15 दिसंबर को श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति द्वारा 18 दिसंबर को कटरा बंद की घोषणा की गई थी जिसको लेकर बुधवार को श्री माता वैष्णो देवी मार्ग पर घोड़े, पिट्ठू तथा पालकी का काम करने वाले मजदूरों ने श्री माता वैष्णो देवी पुराना दरूड़ के दुकानदारों के साथ ही कटरा के होटल, गेस्ट हाउस व दुकानदारों ने व्यापार बंद रख कर हड़ताल का समर्थन किया।

वहीं कटरा के साथ लगते आसपास के गांवों के ऑटो रिक्शा वालों ने भी हड़ताल का समर्थन करते हुए बंद रखा। सभी व्यापारी वर्ग के लोग कटरा के शालीमार पार्क में सुबह एकत्रित हुए और हजारों की तादाद में लोग जुलूस के रूप में कटरा के मुख्य बाजार से होते हुए मुख्य बस अड्डे से होते हुए जम्मू कटरा मार्ग एशिया चौक पर मार्ग में बैठकर

रोपवे का विरोध करते हुए श्राइन बोर्ड के खिलाफ काफी समय तक प्रदर्शन करते रहे। वहीं युवा राजपूत सभा के प्रधान और अन्य सदस्य कटरा के लोगों के समर्थन में कटरा पहुंचे और सरकार से मांग करते हुए कहा कि ताराकोट से लगने वाले रोपवे का काम जल्द से जल्द बंद किया जाए।

इस बीच डीसी रियासी निधि मलिक, एसएसपी रियासी परमवीर सिंह ने अन्य अधिकारियों के साथ संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ कुछ समय तक बैठक कर बातचीत की। इसके बाद संघर्ष समिति के सदस्यों ने बताया की रोपवे को लेकर प्रशासन ने उच्च अधिकारियों से बातचीत कर 23 दिसंबर तक का समय मांगा है। 23 दिसंबर को संघर्ष समिति और कटरा के लोगों के साथ साफ-साफ शब्दों में बता दिया जाएगा की रोपवे को लेकर सरकार का रुख क्या है।

फिलहाल संघर्ष समिति द्वारा ऐलान किया गया कि हड़ताल को स्थगित किया जाता है। सभी दुकानदार, होटल, गेस्ट हाउस वाले अपने-अपने काम पर लौट जाएं। वहीं संघर्ष समिति के सदस्यों ने यह भी कहा कि 23 दिसंबर को प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद फिर एक बार शालीमार पार्क में सभी व्यापारी वर्ग के लोग इकट्ठे होंगे और आगे क्या कदम उठाए जाएंगे इस पर फैसला लिया जाएगा।

'देश में 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें निर्माणाधीन, 200 वंदे भारत स्लीपर रेक का काम भी भागीदारों को सौंपा'

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि वर्तमान में देश में लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहला प्रोटोटाइप निर्मित हो चुका है और इसका फील्ड ट्रायल किया जाएगा। रेल मंत्री ने लोकसभा में एक वक्तव्य में कहा कि इसके अलावा 200 वंदे भारत स्लीपर रेक के निर्माण का काम भी प्रौद्योगिकी भागीदारों को सौंपा गया है। ट्रेन के रोलआउट की समय-सीमा परीक्षणों के सफल समापन पर निर्भर है। 2 दिसंबर तक, देश भर में छोटी और मध्यम दूरी की

यात्रा के लिए भारतीय रेलवे के ब्रॉड गेज विद्युतीकृत नेटवर्क पर 136 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू हैं।वैष्णव ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयां अप्रैल 2018 से केवल एलएचबी कोच का उत्पादन कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में एलएचबी कोच का उत्पादन लगातार बढ़ा है। 2014-24 के दौरान निर्मित एलएचबी कोच की संख्या 2004-14 के दौरान निर्मित (2,337) संख्या से 16 गुना (36,933) अधिक है। भारतीय रेलवे (आईआर) ने एलएचबी कोचों की भरमार कर दी है जो तकनीकी रूप से बेहतर हैं और इनमें एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता संकेत प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन और कम संक्षारक शेल जैसी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि सुगम्य भारत मिशन (सुलभ भारत अभियान) के हिस्से के रूप में, भारतीय रेलवे दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुगमता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के दिशा-निर्देशों के तहत, रैंप, सुलभ पार्किंग, ब्रेल और स्पर्शनीय संकेत, कम ऊंचाई वाले काउंटर और लिफ्ट व एस्कलेटर जैसी व्यापक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। नवंबर 2024 तक, भारतीय रेलवे ने 399 स्टेशनों पर 1,512 एस्कलेटर और 609 स्टेशनों पर 1,607 लिफ्टें स्थापित की थीं, जो पिछले दशक की तुलना में क्रमशः 9 और 14 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। इसके अलावा, अधिकांश मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में चौड़े प्रवेश द्वार, सुलभ शौचालय और व्हीलचेयर पार्किंग वाले समर्पित कोच उपलब्ध हैं, जबकि वंदे भारत ट्रेनें दिव्यांगजनों के लिए स्वचालित दरवाजे, निर्धारित स्थान और ब्रेल साइनेज जैसी सुविधाओं के साथ बेहतर सुगमता प्रदान करती हैं।

उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की 73वीं बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू 18 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की 73वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बोर्ड के सदस्य-महामंडलेष्वर स्वामी विष्वेष्वरानंद गिरिजी महाराज, बालेष्वर राय, डॉ. अशोक भान, कुलभूषण आहूजा, डॉ. नीलम सरीन, के.के. शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा और रघु के. मेहता शामिल हुए। उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी और एसएमवीडीएसबी के सीईओ अंशुल गर्ग भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने रेलवे स्टेशन कटरा में यात्री सुविधा केंद्र और बाणगंगा में यात्री सुविधा सह कर्मचारी आवास परिसर शुभ्रा भवन सहित विभिन्न तीर्थयात्री-केंद्रित सुविधाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। उन्होंने भवन क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से भवन में नए निकास मार्ग का ई-शिलान्यास किया और बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रणाली और एआई-सक्षम चैटबॉट शक्ति सहित श्राइन बोर्ड की डिजिटल पहलों का भी शुभारंभ किया। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का पंचांग कैलेंडर 2025 और डायरी भी जारी की गई। बोर्ड ने अपने पिछले निर्णयों की व्यापक समीक्षा की, अपनी पिछली बैठक के बाद की गई कार्रवाइयों की पुष्टि की और 25 प्रमुख एजेंडा बिंदुओं के अनुसार कई नए निर्णय लिए, जिनका बोर्ड के कामकाज और तीर्थयात्रियों की सेवाओं को बढ़ाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। बोर्ड की नई और चल रही परियोजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें कि दुर्गा भवन से मनोकामना (भवन क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान का एक हिस्सा) तक निकास मार्ग का निर्माण, कटरा के हट्ट गांव में श्री शिव खोड़ी श्राइन बोर्ड के सहयोग से हेलीपैड का विकास, जिला रियासी में मंदिरों का निर्माण, परियोजनाओं की समीक्षा और ककरयाल में बोर्ड के मेडिकल कॉलेज के संचालन की स्थिति आदि षामिल है।

वन नेशन-वन इलेक्शन विधेयक के लिए जेपीसी गठित

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। वन नेशन-वन इलेक्शन विधेयक के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन कर दिया गया है। इस समिति में अनुराग ठाकुर और प्रियंका गांधी समेत कई सांसद शामिल हैं। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों को शामिल किया गया है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा मंगलवार को पेश किए गए विधेयक की समीक्षा के लिए यह समिति बनाई गई है। इस विधेयक का उद्देश्य संविधान और संबंधित कानूनों में संशोधन कर पूरे देश में लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की प्रक्रिया को लागू करना है। सरकार लंबे समय से इस प्रस्ताव पर काम कर रही है, जिसका मकसद चुनावी खर्च को कम करना और शासन को अधिक प्रभावी बनाना है।

लोकसभा के सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं-

1. पी.पी. चौधरी (भाजपा)
2. डॉ. सीएम रमेश (भाजपा)
3. बांसुरी स्वराज (भाजपा)
4. परषोत्तमभाई रूपाला (भाजपा)
5. अनुराग सिंह ठाकुर (भाजपा)
6. विष्णु दयाल राम (भाजपा)

7. भर्तृहरि महताब (भाजपा)
8. डॉ. संबित पात्रा (भाजपा)
9. अनिल बलूनी (भाजपा)
10. विष्णु दत्त शर्मा (भाजपा)
11. प्रियंका गांधी वाड्रा (कांग्रेस)
12. मनीष तिवारी (कांग्रेस)
13. सुखदेव भगत (कांग्रेस)
14. धर्मेन्द्र यादव (समाजवादी पार्टी)
15. कल्याण बनर्जी (टीएमसी)
16. टी.एम. सेल्वागणपति (डीएमके)
17. जीएम हरीश बालयोगी (टीडीपी)
18. सुप्रिया सुले (एनसीपी-शरद गुट)
19. डॉ श्रीकांत एकनाथ शिंदे (शिवसेना- शिंदे गुट)20. चंदन चौहान (आरएलडी)
21. बालाशोवरी वल्लभनेनी (जनसेना पार्टी)

जन समस्याओं के समाधान के लिए तंत्र स्थापित :उपमुख्यमंत्री

जम्मू 18 दिसंबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उनसे मिलने आए अनेक प्रतिनिधिमंडलों से बातचीत करते हुए कहा कि जनता के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी तंत्र स्थापित किया गया है। जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने तथा विकासात्मक पहलों में तेजी लाने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

प्रतिनिधिमंडलों ने अपने क्षेत्रों तथा सेवा संबंधी कई मुद्दों को उपमुख्यमंत्री के समक्ष उठाया।

राष्ट्रीय युवा कोर के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी सेवाओं के नियमितीकरण तथा अन्य सेवा संबंधी मुद्दों का मुद्दा उठाया। कश्मीरी प्रधानमंत्री पैकेज के इच्छुक प्रतिनिधिमंडल ने रिक्त आरक्षित श्रेणी के पदों को समाप्त करने की मांग की। डोडा जिले के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने बेहतर सेवा शर्तों के अलावा मानदेय में वृद्धि की मांग की।

भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधि की बैठक- संबंधों को सुधारने के आगे के उपायों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर । भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा के विषय पर आज हुई बैठक में अक्टूबर 2024 के समझौते के कार्यान्वयन की सकारात्मक रूप से पुष्टि की गई। साथ ही, 2020 की घटनाओं से सीख लेते हुए, सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने और प्रभावी प्रबंधन को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए संबंधित राजनयिक और सैन्य तंत्रों का उपयोग, समन्वय और मार्गदर्शन करने का निर्णय लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 23वीं बैठक, क्रमशः भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी के बीच आज बीजिंग में आयोजित की गई। विशेष प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कज़ान में हाल ही में हुई बैठक के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार बैठक की, जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता के लिए जल्द से जल्द बैठक करने का निर्णय लिया गया था।

वुलर झील के संरक्षण के उपायों की समीक्षा

जम्मू 18 दिसंबर। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने नागरिक सचिवालय में जेकेएफडीसीएल के प्रदर्शन और कामकाज की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जम्मू कश्मीर वन विकास निगम लिमिटेड को आत्मनिर्भर और लाभ कमाने वाला संगठन बनाने के लिए कड़े प्रयासों पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए जावेद राणा ने कहा कि जेकेएफडीसीएल में राजस्व सृजन की अपार संभावनाएं हैं

कांग्रेस ने अडानी मामले को लेकर किया विरोध प्रदर्शन, जेपीसी जांच की मांग की

जम्मू, 18 दिसंबर । जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) ने बुधवार को श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया जिसमें अडानी और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग की गई। प्रदर्शन में मणिपुर में बिगड़ती स्थिति पर भी चर्चा की गई और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों पर ऐतराज जताया गया।

प्रदर्शनकारियों ने जम्मू और कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेकेपीडीसीएल) की परियोजनाओं में अनियमितताओं सहित अडानी समूह से जुड़े मामलों में घोटालों का आरोप लगाया। उन्होंने केंद्र सरकार पर जन कल्याण पर कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया और सच्चाई को उजागर करने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग की।

हालाँकि अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को राजभवन तक मार्च करने से रोक दिया और उन्हें पार्टी मुख्यालय तक ही सीमित रखा। जेकेपीसीसी के महासचिव आबिद कश्मीरी ने तीखी आलोचना करते हुए कहा जेकेपीडीसीएल परियोजनाओं में अनियमितताओं सहित विभिन्न घोटालों में अडानी समूह की संलिप्तता, इस सरकार द्वारा पोषित क्रोनी पूंजीवाद का एक ज्वलंत उदाहरण है। जम्मू-कश्मीर के लोग जवाब चाहते हैं। वहीं डॉ. वलीद कर्रा ने कहा यह सरकार बार-बार लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने में विफल रही है। अडानी घोटाला उनके भ्रष्टाचार का उदाहरण है जबकि मणिपुर में संकटों को दूर करने में उनकी अक्षमता और डॉ. अंबेडकर जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति उनका अनादर उनकी गलत प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

आतंकी ठिकाने से हथियार और चार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद

कुपवाड़ा, 18 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान में एक आतंकी ठिकाने से हथियार और नशीला पदार्थ बरामद किया गया है। खुफिया सूचना पर की गई कार्रवाई में यह सफलता मिली है।एक अधिकारी ने बताया कि 17 दिसंबर की देरशाम आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए कुपवाड़ा के तंगधार सेक्टर में तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान इस सेक्टर के अमरोही में एक आतंकी ठिकाने से चार पिस्तौल, छह मैगजीन और लगभग चार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया।

सतीश शर्मा द्वारा ग्रामीण विकास विभाग के तहत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

जम्मू 18 दिसंबर। छम्ब विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा करने हेतु एफसीएस एंड सीए, परिवहन, एआरआई और प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने संबंधित अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के अधिकार क्षेत्र के तहत छम्ब विधानसभा क्षेत्र में चल रही योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति और प्रभाव का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, ताकि ग्रामीण विकास पहलों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक की शुरुआत में सहायक आयुक्त विकास जम्मू डॉ. विकास शर्मा ने मंत्री को छम्ब विधानसभा क्षेत्र में आरडीडी जम्मू द्वारा किए जा रहे

विभिन्न कार्यों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

समीक्षा के दौरान, मंत्री, जो छम्ब निर्वाचन क्षेत्र से विधायक भी हैं, ने मनरेगा, पीएमएवाई-जी, कैपेक्स, ग्रामीण स्वच्छता और संबद्ध क्षेत्रों के कार्यान्वयन सहित आरडीडी क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का व्यापक मूल्यांकन किया। सतीश शर्मा ने सभी ब्लॉकों यानी चौकी चौरा, मैरा मंदरियां, समवान, खारा बल्ली और खौड़ में आरडीडी क्षेत्र की परियोजनाओं में केंद्रीय सिद्धांतों के रूप में पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर दिया। उन्होंने सामुदायिक विकास परिसंपत्तियों के निर्माण में अन्य विभागों के साथ अभिसरण पर जोर दिया। ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान में मनरेगा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि यह योजना देश और संविधान की समाजवादी भावना का प्रतीक है। मंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग के प्राथमिक उद्देश्य पर जोर दिया, जो ग्रामीण समुदायों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे ग्रामीण विकास विभाग के मिशन के मुख्य पहलुओं के रूप में रोजगार सृजन और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करें।

घर की पुरानी चीजों से बनाए क्राफ्ट्स

जब तुम नहीं पढ़ रहे हो तब तुम अपने खाली समय का उपयोग पुरानी चीजों से नई चीजें बनाने में कर सकते हो। ऐसी बहुत सी चीजें घर में होती हैं जो या तो खराब हो जाती हैं या बेकार पड़ी पड़ी खराब होने लगती हैं। ऐसी ही चीजों से आप घर की सजावट के कई प्रकार के सामन बना सकते हो। ऐसा करने से जहां हमें घर की साज–सज्जा का अनुभव होता है वहीं बेकार चीजें काम में आ जाती हैं।

तुम्हें स्कूल में सबसे अच्छा पीरियड कौनसा अच्छा लगता है..शायद आर्ट एंड क्राफ्ट्स का। रुई के खरगोश, चार्ट पेपर पर कलर करके फ्लावर्स, थर्मोकोल से ताजमहल, कार्टन का इस्तेमाल करके छोटा-सा घर और पेपर कटिंग करके ग्रीटिंग कार्डस जैसी कई चीजें जब तुम अपने हाथों से बनाते हो तो तुम्हें बहुत खुशी मिलती है और तुम अपने दोस्तों को दिखा कर खूब तारीफ बटोरते होगें। जब आर्ट एंड क्राफ्ट्स की परीक्षा आती है तो तुम्हें ज्यादा मजा इसी परीक्षा में आता है। घर में भी तुम क्राफ्ट्स और ड्रॉइंग करना नहीं भूलते। छुट्टी के दिन तो घर की पुरानी चीजें जमा करते हो और अपना दिमाग लगाना शुरूकर देते हो कि किस चीज के इस्तेमाल से क्या नया बना सकते हो। फिर जब कोई बढिया चीज बन जाती है तो अपने घर के शोकेस में सजा देते हो। हर दिन तुम नई चीज बनाने का प्रयास करते हो। कई बार जब हमारे पास ढेर सारी चीजें जमा हो जाती हैं तो हमें समझ नहीं आता कि उनसे क्या नया बनाया जाए। उदाहरण के तौर पर गार्डन से अलग-अलग पेड़ के कुछ झड़े हुए पत्ते लाओ और उस पर डिजाइन बनाओ और अपने कमरे की दीवार पर सजा दो। इससे तुम्हारा रूम काफी सुंदग दिखेगा। इसी तरह तुम पुराने कपड़े का इस्तेमाल करके अपने लिए एप्रन बना सकते हो, कलर पेपर और गम से फन बॉक्स तैयार कर सकते हो, पुरानी बटन, रिबन, स्केच पेन, कार्डबोर्ड से गुडिया बना सकते हो, साथ ही मम्मी के लिए नेकलेस, आकर्षक सनकैचर्स, फोटो फ्रेम्स, बर्ड हाउस जैसी कई चीजें से कुछ नया बना सकते हो।

बाल कहानी

लाल गुब्बारा

गली में गुब्बारेवाला था। नैना ने उसकी आवाज़ सुनी और दौड़ कर बाहर आई। गुब्बारे वाले के हाथ में पाँच गुब्बारे थे। दो लाल, एक पीला, एक हरा और एक गुलाबी। एक गाड़ी भी थी। गाड़ी पर पीली छतरी थी। छतरी बड़ी थी। सबको छाया देती थी। गाड़ी में रंग ''बिरंगे गुब्बारे भरे हुए थे। नैना ने सोचा वह अपनी फ्राक जैसा लाल गुब्बारा लेगी।

मुझे एक गुब्बारा चाहिये। नैना ने कहा।

क्या तुम्हारे पास पैसे हैं? गुब्बारे वाले ने पूछा।

लाल गुब्बारा कितने का है? मैं माँ से पैसे ले कर आती हूँ। नैना ने कहा।

दो रुपए ले कर आना। गुब्बारे वाले ने कहा।

नैना माँ के पास से पैसे लेकर आई। गुब्बारे वाले को पैसे दिये और लाल गुब्बारा खरीदा। गुब्बारा लेकर नैना गली में खेलने लगी। गली में भीड़ नहीं थी। लाल गुब्बारा पतंग की तरह लहरा रहा था। नैना धागे को उँगली पर लपेट लेती तो गुब्बारा उसके पास आ जाता। वह उसको गाल से लगाती तो नरम नरम लगता। रगड़ती तो मज़ेदार आवाज़ करता। वह धागे को छोड़ देती तो लाल गुब्बारा फिर से दूर आसमान में उड़ने लगता। वह दौड़ती तो गुब्बारा भी साथ साथ ऊपर चलता। गली में खेलना नैना को अच्छा लगता था। खेल में बड़ा मज़ा था। नैना देर तक खेलती रही। लाल गुब्बारा उसका दोस्त बन गया। उसने लाल गुब्बारे का नाम 'लालू' रख दिया।

बहुत देर हो गयी नैना, खेलना बंद करो और खाना खा लो। माँ ने भीतर से आवाज़ दी। नैना को भी भूख लग रही थी। आती हूँ माँ, नैना ने जवाब दिया। लेकिन वो लाल गुब्बारे के साथ खाना कैसे खाएगी, नैना ने सोचा। उसने गुब्बारे के धागे को दरवाज़े की कुंडी से बाँध दिया। लालू, मैं खाना खा लूँ तब तक तुम यहीं रहना। बाद में हम दोनों मिल कर फिर खेलेंगे। नैना ने कहा।

शायद नैना ठीक से बाँध नहीं पायी। धागा खुल गया और लाल गुब्बारा आसमान में उड़ गया।

नैना उसको पकड़ने के लिये दौड़ी पर वह ऊपर जा चुका था। नैना धागा नहीं पकड़ पाई। उसकी आँखों में आँसू आ गए। वह रोने लगी। माँ ने कहा, रो मत। कल नया गुब्बारा ले लेना।

स्कूल बैग को कैसे रख सकते है साफ

तुम अक्सर अपने दोस्तों से शर्त लगाते होगें कि आज मम्मी ने टिफिन में क्या रखा है। या बैग की किस पॉकेट में चॉकलेट है।मगर क्या तुमने कभी यह शर्त लगाई है कि किसका बैंग सबसे साफ है। आज हम तुम्हें बैंग साफ रखने के कुछ तरीके बता रहे है। जिससे जब कभी तुमसे इस बात पर शर्त लगाए तो तुम जीत सको।

ऐसे रखो बैग को साफ

बैग में जगह के हिसाब से अलग–अलग चीजों के लिए अलग–अलग हिस्सा तय कर लो। जैसे बुक्स हमेशा एक जगह पर रखो, लंच के लिए एक जगह तय कर लो, ताकि हर दिन तुम्हारा समय इस बात को सोचने में बर्बाद ना हो कि कौन–सा सामान कहां रखना चाहिए। अपना बैग इस तरह से व्यवस्थित करो कि भारी चीजें बैग के पिछले हिस्से में हों और हल्की चीजें बैग के आगे वाले हिस्से में। ऐसा करने से पीठ पर कम जोर पडेगा और तुम्हारा पॉस्चर भी सही रहेंगा।

क्या तुम जानते हो निर्जन द्वीप बिशप रॉक को

दोस्तों वैसे तो इस दुनिया में काफी सारी ऐसी चीजें हैं। जिसे इतिहास के पन्नों में दर्ज किया गया है। वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं। जो आज भी लोगों के लिए जानकारी का सबब बनती हैं। इनमें से ही एक है विशप रॉक द्वीप। यह दुनिया का सबसे छोटा द्वीप है। वैसे तो इस द्वीप पर कोई नहीं रहता, लेकिन इस पर 49 मीटर ऊंचे बने लाइट हाउस की वजह से यह आबाद है और दुनिया भर में अपनी पहचान बनाए हुए है।

इस छोटे–से द्वीप पर बना लाइट हाउस यहां के आकर्षण का केंद्र है। आज हम तुम्हें ऐसे द्वीप के बारे में बता रहे हैं, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस ने कुछ समय पहले दुनिया भर के द्वीपों में सबसे छोटा द्वीप घोषित किया है। यह है–अटलांटिक महासागर में इंग्लैंड (ब्रिटेन) के दक्षिण–पश्चिम सिरे पर बना बिशप रॉक द्वीप। यह द्वीप ब्रिटेन के आसपास के 1,040 सिसिली द्वीप समूह से करीब 4 मील की दूरी पर स्थित है।

यह 16 मीटर चौड़ा, 46 मीटर लंबा और 45 मीटर गहरा है। इसी वजह से आज इस निर्जन बिशप द्वीप को 'ब्लू रीबैंड' और इस पर बने लाइट हाउस को 'किंग ऑफ द लाइट हाउस' से सम्मानित किया गया है। तुमने अंडेमान–निकोबार, मालदीव्स जैसे द्वीप समूह (आइलैंड) के बारे में सुना होगा। एक ओर तो ये द्वीप समूह चारों तरफ से समुद्र के पानी से घिरे हैं, दूसरी तरफ अपने एरिया के हिसाब से काफी बड़े हैं। वहां का प्राकृतिक वातावरण बहुत सुंदर है और बड़ी तादाद में जन–जीवन भी है।

आज यहां ग्रेनाइट पत्थर से बना जो लाइट हाउस है, उसे 1853 में बनाया गया था। एक सितंबर 1858 को मोमबत्ती और पैराफिन लैंप या लालटेन से पहली बार जलाया गया। पहले वहां तक जाने के लिए नाव या जहाज का इस्तेमाल होता था। इसमें आने वाली मुश्किलों को देखते हुए ट्रिनिटी हाउस ने 1976 में लाइट हाउस के ऊपर एक हैलीपैड बनाया और इसे 1992 में पूरी तरह स्वचालित कर दिया।

अनोखा है पानी के बीच पहाड़ी पर बना रेस्तरां

दोस्तों तुम अपने पापा-मम्मी के साथ कई बार कहीं घूमने फिरने गए होगे। खाना पीना भी खाया होगा। लेकिन जहां पर भी खाना खाया होगा वह रेस्तरां जमीन पर ही बना होगा। लेनिक क्या तुमने कभी पानी के बीचोंबीच पहाड़ी पर रेस्तरां बना देखा है। पूर्वी अफ्रीका में ऐसा ही एक रेस्तरां बना हुआ है। जांजीबार पहाड़ी पर बने इस रेस्तरां में आने वाला टूरिस्ट यहां से खास अनुभव लेकर जाता है। इस रेस्तरां के चारों ओर पानी ही पानी है। यहां पर मोटरबोट से पहुंचा जा सकता है। इसका नाम है 'रॉक रेस्टोरेंट'। इसके मालिक निगेल फ्रीमेन के अनुसार, 'इसे हाल ही में खोला गया है। इसमें एक बार में सिर्फ 15 लोग ही खाना खा सकते हैं। जब पानी का बहाव कम होता है तो टूरिस्ट यहां खड़े होकर समुद्र की लहरों का मजा ले सकते हैं।' धीरे-धीरे यह रेस्तरां प्रचलित हो रहा है। लोगों को अब इसके लिए एक सप्ताह तक वेटिंग में रहना पड़ता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

प्रेरक व्याख्यान और कोचिंग कक्षाओं के साथ युवाओं को सशक्त बनाया

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। राजौरी के पाल्मा के युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल में भारतीय सेना ने एक महिला अधिकारी द्वारा प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया। साथ ही रक्षा सेवा उम्मीदवारों के लिए कोचिंग कक्षाओं की शुरुआत की। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में भविष्य के नेताओं को पोषित करने और युवा दिमागों को राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करने के लिए सेना के समर्पण पर प्रकाश डाला गया।

अधिकारी ने शिक्षा, अनुशासन और किसी की आकांक्षाओं को प्राप्त करने में प्रतिबद्धता के महत्व पर एक भावुक भाषण दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों में सेवा करने से जुड़े सम्मान और गौरव पर जोर दिया, युवा लड़कियों से रूढ़िवादिता को तोड़ने और रक्षा में करियर पर विचार करने का आग्रह किया। इस पहल के तहत भारतीय सेना ने कठोर रक्षा चयन प्रक्रिया की तैयारी करने वाले लड़कों और लड़कियों के लिए कोचिंग कक्षाएं भी शुरू कीं। ये सत्र व्यापक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे जिसमें अकादमिक तैयारी, शारीरिक फिटनेस और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिससे इच्छुक उम्मीदवारों के लिए समग्र तत्परता सुनिश्चित होगी।इस पहल का स्थानीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया है जिसमें माता-पिता और शिक्षकों ने क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए सेना के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया है। ऐसे कार्यक्रमों को सशस्त्र बलों और जनता के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाता है, जो विश्वास, उद्देश्य और देशभक्ति को बढ़ावा देता है।

भाजपा ने कर्मचारियों के डीए और चिकित्सा भत्ते की मांग का समर्थन किया

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार को अपने चुनावी वादों, खासकर कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से संबंधित वादों को पूरा करने में विफल बताया। भाजपा जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी जारी करने और चिकित्सा भत्ते को 300 रूपये से बढ़ाकर 1,000 रूपये प्रति माह करने की मांगों का समर्थन किया।

एनसी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों पर प्रकाश डालते हुए रैना ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने, चिकित्सा भत्ते बढ़ाने, कर्मचारियों के समयबद्ध नियमितीकरण के लिए नीति तैयार करने और बर्खास्त कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा करने जैसी प्रतिबद्धताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा एनसी-कांग्रेस गठबंधन सरकार इन सभी मोर्चों पर स्पष्ट रूप से विफल रही है। रैना ने एनसी-कांग्रेस गठबंधन के शासन की तुलना हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में इंडी गठबंधन सरकारों से की और उन पर चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने के बजाय भारी कर लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा लोग शौचालय कर जैसे करों को लागू होते देखकर निराश हैं जबकि उनकी वास्तविक ज़रूरतें पूरी नहीं हो रही हैं।

भाजपा ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की मांगों के लिए अपना समर्थन दोहराया और उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार से राजनीतिक बयानबाजी के बजाय लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। रैना ने कहा एनसी सरकार को अपनी प्रतिबद्धताओं पर काम करके और उनकी शिकायतों को दूर करके लोगों के विश्वास का सम्मान करने की ज़रूरत है।

एनआरएससी-इसरो के सहयोग से सीयू जम्मू में आठवां रेडियोसॉन्ड लॉन्च रहा सफल

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू, सीयूजे में सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र ने बुधवार को आठवें रेडियोसॉन्ड का सफल प्रक्षेपण देखा। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी), इसरो और सीयू जम्मू के बीच समझौता ज्ञापन के तहत हासिल की गई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कुलपति प्रो. संजीव जैन ने किया जिसमें केंद्र के संयोजक प्रो. विनय कुमार के साथ-साथ संकाय, छात्र, विद्वान और कर्मचारियों का सक्रिय योगदान रहा।

मौसम गुब्बारे से जुड़ा रेडियोसॉन्ड, आर्द्रता, दबाव, तापमान, हवा की गति और दिशा के वायुमंडलीय प्रोफाइल का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एकत्र किए गए डेटा से मौसम संबंधी शोध विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और वायुमंडलीय स्थितियों से संबंधित मूल्यवान जानकारी मिलेगी। इस पहल का एक मुख्य आकर्षण

सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला, मोहाली में स्वदेशी रूप से विकसित रेडियोसॉन्ड ग्राउंड स्टेशन है। इस मेक इन इंडिया उपलब्धि का नेतृत्व डॉ. कमलजीत सिंह और नेमी चंद ने किया जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में देश की प्रगति को दर्शाता है।

यह प्रक्षेपण एनआरएससी और सीयू जम्मू के बीच एक सहयोगी परियोजना का हिस्सा था जिसमें एनआरएससी के डॉ. हरीफ बाबा का योगदान था। कार्यक्रम समन्वय का नेतृत्व इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. हनीत कौर, डॉ. संजीव यादव और डॉ. प्रवेश पाल ने किया जिसमें महक महाजन, आयशा, बंधना, अमृत, बिनीश, प्रशांत, सोनम, प्रेमिका, प्रत्यूष, हृदयेश, हिमांशु, बैभव कुमार और बैभव दत्ता सहित शोधकर्ताओं, विद्वानों और तकनीकी कर्मचारियों की एक समर्पित टीम ने सहयोग किया।

एकत्र किए गए डेटा से वायुमंडलीय और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है जिससे वैश्विक जलवायु और मौसम संबंधी अध्ययनों में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

स्वच्छ भारत अभियान चलाया, साफ़-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। स्वच्छ और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना ने समोटे में स्वच्छ भारत अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य सैनिकों के बीच स्वच्छता और स्वास्थ्य, कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस अभियान का उद्देश्य सैनिकों को स्वच्छता और स्वस्थ समाज के बीच सीधे संबंध के बारे में शिक्षित करना था। प्रतिभागियों से अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता को बढ़ाने के लिए सक्रिय आदतें अपनाने का आग्रह किया गया। विशेष सत्रों में अनुचित अपशिष्ट निपटान, अस्वच्छ रहने की स्थिति और खराब सीवेज प्रबंधन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला गया।

अभियान के हिस्से के रूप में यूनिट क्षेत्र और उसके आसपास की सफाई के लिए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 26 सैनिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिन्होंने अपने पर्यावरण की स्वच्छता को बेहतर बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा अपनी लाइन, आस-पास के क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता बनाए रखने की शपथ लेने के साथ हुआ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बीपीएल परिवारों के लिए सहायता प्रदान करके उनका उत्थान किया

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। पुंछ के मेंढर उप-विभाग के दूरदराज और अविकसित गांवों में भारतीय सेना आतंकवाद और अशांति की पृष्ठभूमि के खिलाफ संघर्ष कर रहे बच्चों और परिवारों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है। 1996 में टेंट में आयोजित प्राथमिक कक्षाओं के रूप में शुरू हुआ यह स्कूल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों के बच्चों को मुफ्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले एक समृद्ध स्कूल में विकसित हो गया है।

स्कूल में अब अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढाँचा है, जिसमें कक्षाएँ, एक पुस्तकालय, एक मनोरंजन हॉल और एक खेल का मैदान शामिल है। साथ ही योग्य शिक्षकों और कर्मचारियों की एक समर्पित टीम भी है। भारतीय सेना के प्रयास छात्रों के लिए समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त परिवहन, किताबें, वर्दी और स्टेशनरी प्रदान करके शिक्षा से परे हैं। नियमित पाठ्येतर गतिविधियाँ बच्चों के समग्र विकास में सहायता करती हैं जिससे वे समाज और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए तैयार होते हैंअपनी निरंतर प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में भारतीय सेना ने बुधवार को एक जीवंत कार्यक्रम में 70 बीपीएल छात्रों को किताबें, वर्दी और स्टेशनरी वितरित की जिसमें छात्र, परिवार और शिक्षक शामिल हुए।

सेना ने स्वच्छ भारत अभियान का किया आयोजन

राजौरी, 18 दिसंबर (हि.स.)। समाज में स्वच्छ और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय सेना ने समोट में 'स्वच्छ भारत अभियान' का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सैनिकों के बीच उनके पर्यावरण में स्वच्छता के महत्व और स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। अभियान को न केवल व्यक्तिगत तंदुरुस्ती के लिए बल्कि समुदाय और पर्यावरण के समग्र स्वास्थ्य के लिए भी स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

विक्रम रंधावा ने लगाया जनता दरबार

जम्मू, 18 दिसम्बर (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक चौधरी विक्रम रंधावा ने पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर में आयोजित जनता दरबार में जनता की शिकायतें सुनीं। व्यक्तिगत, सामाजिक और विकास संबंधी मुद्दों और अपनी शिकायतों को साझा करने के लिए दर्जनों लोग त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एकत्र हुए। अन्य मुद्दों के अलावा एक पीओजेके शरणार्थी परिवार जो वर्तमान में नानक नगर में रहता हैड्डजिसे कठुआ में 69 कनाल भूमि आवंटित की गई थी लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण परिवार को इतने वर्षों के बाद भी कब्जा नहीं मिल सका। विधायक ने तुरंत इस मामले को संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ उठाया और उन्हें समयबद्ध तरीके से समस्या का त्वरित समाधान करने को कहा।

मूवमेंट कल्कि का आंदोलन 59वें दिन में प्रवेश, राष्ट्रीय करणी सेना ने दिया समर्थन

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और सनातन धर्म के संरक्षण के उद्देश्य से मूवमेंट कल्कि द्वारा चलाया गया आंदोलन बुधवार को 59वें दिन में प्रवेश कर गया है। यह आंदोलन सरकार से चार मुख्य मांगों को पूरा करने की अपील करता है जिसमे गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देना, सनातन बोर्ड का गठन, गौमाता की सुरक्षा के लिए सख्त कानून और गौ तस्करी और हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध, दोषियों को कठोर सजा देना शामिल है।

वहीं बुधवार को आंदोलन को बड़ा प्रोत्साहन मिला जब राष्ट्रीय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष और उनके पदाधिकारियों ने आंदोलन में शामिल होकर समर्थन दिया।

करणी सेना ने इस आंदोलन को केवल मूवमेंट कल्कि का नहीं बल्कि पूरे सनातन धर्म का आंदोलन बताया। उन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने और सरकार पर दबाव बनाने के लिए जिला स्तर पर प्रदर्शन करने की घोषणा की।

इसी बीच विकास नगर स्थित शिव मंदिर कीर्तन मंडली की महिलाओं ने धरना स्थल पर भजन संध्या का आयोजन किया। उन्होंने अपने भजनों के माध्यम से गौमाता के प्रति समर्थन व्यक्त किया और सभी सनातन धर्मियों से आंदोलन में योगदान देने की अपील की। महिलाओं की इस सक्रिय भागीदारी ने आंदोलन को और अधिक सशक्त किया। इस मौके पर मूवमेंट कल्कि ने यह दोहराया कि गौमाता के लिए नई गौशालाओं का निर्माण होना चाहिए और उनकी देखभाल के लिए प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव का निर्णय लोकतंत्र और शासन के लिए एक क्रांतिकारी कदम : पवन शर्मा

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। एक राष्ट्र, एक चुनाव का निर्णय लोकतंत्र और शासन के लिए एक क्रांतिकारी कदम है जे बात डोडा जिला प्रभारी पवन शर्मा ने कही।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रभारी जिला डोडा पवन शर्मा ने 卐एक राष्ट्र, एक चुनाव卐 लागू करने के मोदी सरकार के फैसले का स्वागत किया है और इसे लोकतंत्र को मजबूत करने और कुशल शासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से देश में चुनाव प्रक्रिया को बेहतर बनाने और जनता का पैसा बचाने में मदद मिलेगी।

पवन शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा का मुख्य उद्देश्य देश में चुनाव प्रक्रिया में सुधार करना और जनता का पैसा बचाना है। उन्होंने कहा कि यह अवधारणा देश में चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने में मदद करेगी।

पवन शर्मा ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन (ओएनओई) प्रस्ताव में सभी चुनाव - लोकसभा, राज्य विधानसभाएं और स्थानीय निकाय - एक ही वर्ष के भीतर, एक साथ की परिकल्पना की गई है जिसमे दोचरणीय दृष्टिकोण का प्रस्ताव है। पहले चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव शामिल होंगे, उसके बाद 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव होंगे। पवन शर्मा ने आगे कहा कि यह पहल भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए समय की मांग है।

108 कुंडीय गौ गोपाल महायज्ञ के शुभारंभ पर दिखा आध्यात्मिक उल्लास

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। 108 कुंडीय गौ गोपाल महायज्ञ का शुभारम्भ बड़े उत्साह और भक्तिभाव के साथ हुआ। पहले दिन शास्त्रों के पारंगत आचार्यों ने सैकड़ों यजमानों को पवित्र देव पूजन अनुष्ठान सम्पन्न कराया। दिन का समापन पापघट दान समारोह के साथ हुआ जो आध्यात्मिक शुद्धि का एक गहन कार्य है।

इस भव्य आयोजन के संरक्षक पूज्य श्री गंगाधर जी ने देव पूजन अनुष्ठान में स्वयं यजमान के रूप में भाग लिया। कार्यवाही के दौरान उन्होंने न केवल ऐसे आयोजनों के आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला बल्कि उनके व्यापक सामाजिक और आर्थिक महत्व पर

भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे धार्मिक आयोजन समाज के सभी वर्गों के बीच आपसी प्रेम, विश्वास, भाईचारा, सहयोग, एकता और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी आध्यात्मिक गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से बच्चों में नैतिक मूल्यों का स्वतः विकास होता है। इस आयोजन में कई भक्तों ने भाग लिया जिन्होंने श्री द्वारकानाथ शास्त्री महाराज जी की समाधि के दर्शन किए। उन्होंने देव पूजन किया, सत्संग सुने और यज्ञशाला के दिव्य वातावरण का आनंद लेते हुए परिक्रमा की। पूज्य श्री गंगाधर जी ने इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को प्रोत्साहित किया।

पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल को बनाया गया भाजपा का सक्रिय सदस्य

आरएस पुरा, 18 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के जिला बॉर्डर अध्यक्ष सुनील शास्त्री तथा भाजपा के संगठन महामंत्री इंद्रजीत की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल को पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया गया तथा उन्हें सक्रिय सदस्य का पत्र सौंपा गया।

इस मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष गार सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष सतपाल पप्पी, पूर्व सरपंच दर्शन चौधरी, मनिंदर कुमार तथा रोहित शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता भी इस मौके पर उपस्थित रहे। इस मौके पर पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से पूरे देश में सदस्यता अभियान चलाकर करोड़ों लोगों को पार्टी के साथ जोड़ा गया और अब पार्टी की तरफ से प्रदेश जम्मू कश्मीर में पार्टी के सक्रिय सदस्य बनाए जा रहे हैं और उसी के तहत आज उन्हें पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि पार्टी के नियमों के अनुसार छह वर्ष के बाद पार्टी की सदस्यता लेनी पड़ती है और

उसी के तहत उन्होंने आज सक्रिय सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने पहले कहा कि इससे पहले पार्टी की तरफ से जो सदस्यता अभियान चलाया गया उसमें भी उनकी तरफ से ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी के साथ जोड़ा गया।

इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष सुनील शास्त्री ने बताया कि जम्मू कश्मीर के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री चौधरी श्यामलाल को आज पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया गया है और पार्टी की तरफ से पिछले दिनों जो सदस्यता अभियान चलाया गया है उसमें भी पूर्व मंत्री की तरफ से काफी संख्या में लोगों को पार्टी के साथ जोड़ने में अपना योगदान दिया गया और आज उन्हें पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया गया है। इस मौके पर पार्टी के अन्य लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखे।

तिब्बती संसद के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद खटाना से मुलाकात की

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। 17वीं निर्वासित तिब्बती संसद के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यसभा सांसद (मनोनीत) और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गुलाम अली खटाना से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में तिब्बती आबादी के ज्वलंत मुद्दों के बारे में जानकारी दी।

प्रतिनिधियों ने कहा कि तिब्बत आज सांस्कृतिक नरसंहार और तिब्बती पहचान के उन्मूलन के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है। लगातार चौथे साल तिब्बत को फ्रीडम हाउस द्वारा 2024 फ्रीडम इंडेक्स रिपोर्ट में सबसे कम स्वतंत्र देश का दर्जा दिया गया है। चीन की नीतियों का उद्देश्य तिब्बती भाषा और संस्कृति को खत्म करना है जिसमें छह साल की उम्र के बच्चों को औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूलों में जबरन भेजना भी शामिल है। प्रतिनिधियों ने कहा कि सभी निजी तिब्बती माध्यम स्कूलों को बंद करना, जिनमें हाल ही में 12 जुलाई, 2024 को गोलोक में गंगजोंग शेरिग नोरबू लोबलिंग (जिग्मे ग्यालत्सेन नेशनलिटीज वोकेशनल स्कूल) शामिल है तिब्बती पहचान को प्रमुख हान संस्कृति में आत्मसात करने के तेज होते प्रयासों को उजागर करता है

उन्होंने आगे बताया कि पीआरसी ने तिब्बत में धार्मिक अभिव्यक्ति को प्रतिबंधित करने के लिए नीतियां लागू की हैं। नगाबा कीर्ति और ल्हामो कीर्ति मठों के हाल ही में बंद होने से युवा भिक्षुओं को राज्य द्वारा संचालित आवासीय स्कूलों में जबरन दाखिला लेना पड़ा है। ये उपाय छोटे बच्चों सहित तिब्बतियों से बड़े पैमाने पर डीएनए संग्रह के साथ एक घुसपैठिया निगरानी व्यवस्था को दर्शाते हैं जिसका उद्देश्य तिब्बती धार्मिक प्रथाओं को नियंत्रित करना, भय पैदा करना और दबाना है।

वेदों के दर्शन और भारतीय संस्कृति की वैदिक जड़ों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जम्मू, 18 दिसंबर (हि.स.)। बुधवार को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, एसएमवीडीयू में दर्शन और संस्कृति विद्यालय (एसओपीसी) और भाषा और साहित्य विद्यालय (एसओएलएंडएल) द्वारा वेदों के दर्शन और भारतीय संस्कृति की वैदिक जड़ों शीर्षक से एक विचारोत्तेजक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वेदों के कालातीत ज्ञान और भारतीय संस्कृति, दर्शन और विरासत पर इसके स्थायी प्रभाव का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, एसएमवीडीयू के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार के उद्घाटन भाषण से हुई जिन्होंने वैदिक दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता पर वाक्पटुता से चर्चा की। मुख्य भाषण पद्मश्री पुरस्कार विजेता प्रोफेसर विश्वमूर्ति शास्त्री ने दिया जिनकी गहन अंतर्दृष्टि वेदों में निहित सार्वभौमिक और शाश्वत मूल्यों पर प्रकाश डालती है।

सेमिनार में जम्मू और कश्मीर सरकार के आयुक्त/सचिव संजीव वर्मा का भी सम्मानित अतिथि के रूप में स्वागत किया गया। उन्होंने डोगरी भाषा और संस्कृति की वैदिक जड़ों पर प्रकाश डाला

नौसैनिक बचन सिंह रंधावा को बलिदान दिवस पर बरोटा कैंप में किया याद

रामगढ़, 18 दिसंबर (हि.स.)। विजयपुर क्षेत्र के सीमावर्ती गांव बरोटा कैंप के सपूत अमर बलिदानी नौसैनिक बचन सिंह रंधावा को उनके 62वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इसमें रामगढ़ विधानसभा से भाजपा के विधायक डॉ. दविंदर कुमार मनियाल मुख्य रूप से मौजूद थे और उन्होंने बलिदानी बचन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं शहीद के परिजनों व स्थानीय लोगों ने भी बलिदान दिवस पर उन्हें याद कर उनकी शहादत को नमन किया। विधायक डॉ. दविंदर कुमार, महामंत्री हरविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग व परिजन बलिदानी बचन सिंह के शहीदी स्मारक पर एकत्र हुए व शहीद की प्रतिमा पर फूल मालाएं व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश के शहीदों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश हमेशा देश के शहीदों का कर्जदार रहेगा। बता दें कि नौसैनिक बचन सिंह रंधावा 18 दिसंबर 1961 में ऑपरेशन गोवा में गोवा में समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। उनकी याद में गांव बरोटा कैंप के मुख्य चौक पर एक सुंदर शहीदी स्मारक बनाया गया है। क्षेत्र के लोग आते-जाते शहीद की प्रतिमा को नमन करते हैं और हर वर्ष उनके शहीदी दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

संपादकीय

जम्मू-लखनपुर हाईवे पर यातायात भगवान भरोसे

आईजीपी ट्रैफिक की समीक्षा और सांबा और कठुआ जिलों में पड़ने वाले एनएच 44 के हिस्सों पर मौजूदा यातायात परिदृश्य को सुधारने के निर्देशों के बावजूद, जहां कटरा-अमृतसर-दिल्ली एक्सप्रेसवे के निर्माण के कारण यात्रियों को भीड़भाड़ और बाधाओं के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे यात्रा करना दु:स्वप्न बन गया है, जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं देखा गया है, खासकर रात के समय जब ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की उपस्थिति लगभग शून्य होती है। बार-बार लगने वाला ट्रैफिक जाम, जो कभी-कभी कई घंटों तक लंबा होता है, यह प्रमाणित करता है कि संबंधित अधिकारी विशेष रूप से नीले वर्दीधारी लोग स्थिति के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं क्योंकि शायद ही कभी रात के समय में कोई ट्रैफिक पुलिसकर्मी ड्यूटी पर दिखता है, जब होटल सरोवर के पास बलोल ब्रिज, जेके ऑयल मिल्स के पास बारी ब्राह्मणा, सिडको चौक, मुख्य बाजार बारी ब्राह्मणा, बारी ब्राह्मणा चौक से बिश्नाह कट की ओर, रेलवे कट, सब्जी मंडी बारी ब्राह्मणा, मैरीगोल्ड पैलेस के पास, आराकोट के पास, पल्ली मोड़, दयालचक्क चौक, चन्न रोरियन, राजबाग, साख्ताचक, बरनोटी, हटली मोड़ आदि स्थानों पर अनियंत्रित ट्रैफिक के कारण जाम रहता है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि जाम घंटों तक रहता है, जिससे रोजाना यात्रा करने वाले और मेडिकल इमरजेंसी का सामना करने वाले लोगों को काफी असुविधा और निराशा होती है। हालांकि कथित तौर पर, आईजीपी ट्रैफिक ने अधिकारियों के साथ यातायात प्रवाह पर निर्माण के प्रभाव को कम करने के उपायों पर चर्चा की थी, लेकिन परिणाम अप्रभावी प्रतीत होता है क्योंकि यातायात की स्थिति अभी भी दयनीय है और कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। इतनी बड़ी परियोजना के निर्माण के कारण यातायात की समस्याएँ समझ में आती हैं, लेकिन जिस तरह से यातायात पुलिस निष्क्रिय हो गई है, सुस्ती दिखा रही है और इस एक्सप्रेसवे के निर्माण में शामिल अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय की कमी है, वह चौंकाने वाला है क्योंकि इस रवैये ने लोगों को परेशान कर दिया है। एक्सप्रेसवे के निर्माण से दीर्घकालिक लाभ मिलने का वादा किया जाता है, लेकिन यात्रियों की दैनिक परेशानी असहनीय होती जा रही है, जिसका कोई तत्काल समाधान नहीं दिख रहा है। यातायात पुलिस, जिसकी प्राथमिक जिम्मेदारी यातायात को सुचारू रूप से चलाना और ऐसी स्थितियों में राहत प्रदान करना है, जनता की दुर्दशा के प्रति उदासीन प्रतीत होती है। अधिकांश अवसरों पर, वाहनों की लंबी कतारें किलोमीटरों तक फैली हुई देखी जा सकती हैं, लेकिन पुलिस की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने या सहायता प्रदान करने के लिए कोई स्पष्ट प्रयास नहीं किया जाता है। जरूरत है कि पुलिस नियमित गश्त करे, यातायात को डायवर्ट करे और न केवल दिन के समय बल्कि रात के समय भी सक्रिय दृष्टिकोण अपनाए क्योंकि इससे यात्रियों को होने वाली दैनिक परेशानियों को कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यातायात पुलिस को स्थिति के और बिगड़ने से पहले समस्या को हल करने के लिए जवाबदेही और तत्परता दिखाते हुए आगे आना चाहिए।

राजस्थान में पीकेसीईआरसीपी परियोजना का साकार होता सपना

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट यानी पीकेसीईआरसीपी के एमओयू के एक साल से भी कम समय में एमओए (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) में तब्दील होना राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। देश में नदी जोड़ो परियोजना का सपना देखा गया था जो अब धरातल पर उतर रहा है। राजस्थान जैसे पानी की किल्लत से जूझते प्रदेश में पीकेसीईआरसीपी खासतौर पर पूर्वी राजस्थान के लिए गंगा अवतरण से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भजनलाल शर्मा सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत कालीसिंध नदी पर 1069 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नवनेरा बैराज का लोकार्पण किया। परियोजना के प्रथम चरण में पेयजल के लिए कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्वती नदी पर महलपुर बैराज और नवनेरा बांध में संग्रहित जल के उपयोग हेतु नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा (एनजीबीआई) लिंक परियोजना के तीन पैकेज के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इन पैकेज में 9416.70 करोड़ रुपए की लागत से नवनेरा बैराज से गलवा बांध होते हुए बीसलपुर व ईसरदा बांध तक जरूरत के अनुसार जल प्रत्यावर्तन के लिए नहर तंत्र, पम्पिंग स्टेशन एवं पाइपलाइन का निर्माण कार्य किया जाएगा।

संशोधित पार्वती-कालीसिंध चंबल (एकीकृत ईआरसीपी) परियोजना पूरी होने पर राजस्थान के 21 जिलों में रहने वाले लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ साथ लगभग ढाई लाख हेक्टेयर नये क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग डेढ़ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी।

लाभान्वित जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरतल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, अजमेर, ब्यावर और केकड़ी शामिल है।

राजनीतिक आलोचना-प्रत्यालोचना को अलग कर दिया जाए तो पीकेसीईआरसीपी परियोजना के क्रियान्वयन की शुरुआत राजस्थान जैसे प्रदेश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। पीकेसीईआरसीपी से पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के नागरिकों और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे प्रदेश में पेयजल, सिंचाई के लिए पानी, औद्योगिक विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और इसी तरह के अनेक फायदे होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारन्टी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा कार्यभार संभालने के एक माह से भी कम समय में राजस्थान के लिए जीवनदायी इस परियोजना पर सहमति बनवाना और एमओयू कर क्रियान्वयन के स्तर पर लाना अपने आप में बड़ी बात थी और आज उससे भी बड़ी बात एमओयू को एमओए में बदलना है।

करीब 21 साल पुराना सपना पार्वती-कालीसिंध-चंबल इस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना को लेकर केन्द्र सरकार, राजस्थान व मध्यप्रदेश के बीच संपन्न करार के साथ ही साकार होने लगा है। राजस्थान नहर के बाद यह अपने आप में सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा जिससे 13 जिलों के रहवासियों की सभी तरह की पानी की जरुरत पूरी हो सकेगी।

इसके साथ यह भी महत्वपूर्ण होगा कि हर साल बरसात सीजन में बाढ़ के कारण जन-धन और फसलों की बर्बादी का कारण बनने वाला यह पानी पानी की समस्या से जूझ रहे प्रदेशवासियों वासियों के काम आ सकेगा। बेकार बह जाने वाला पानी संग्रहित होगा, धरती, यहां के निवासियों और मवेशियों की प्यास बुझाने के काम आ सकेगा। इस परियोजना में राजस्थान को 4103 एमसीएम पानी मिलेगा वहीं, मध्यप्रदेश को 3000 एमसीएम पानी मिलेगा। सात साल बाद इस परियोजना के पूरे होने के बाद जहा प्रदेश की 3.25 करोड़ आबादी की पानी की जरूरत पूरी होगी वहीं करीब ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। सही मायने में कहा जाए तो प्रकृति की अनमोल धरोहर पानी के आने से भविष्य में ना तो बाढ़ से जूझना पड़ेगा और ना ही सूखे के लिए ऊपर वाले को दोष देना पड़ेगा।

दरअसल, नदियों के बर्बाद होते पानी का सही उपयोग तय करने के लिए 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना आरंभ की थी। यह योजना सिरे से चढ़ती उससे पहले ही 2004 में नई सरकार आते ही इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसके बाद 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जारी रखने के केन्द्र सरकार को निर्देश दिए। राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण द्वारा 44605 करोड़ की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है। गंगानदी पर करीब एक हजार बांध हैं तो गोदावरी पर 350 के आसपास बांध है। इन बांधों पर पानी को सहेजते हुए नदियों के पानी को अनुपयोगी व बर्बादी का कारण बनने से बचाने के स्थान पर क्षेत्रों में पानी की समस्या का समाधान किया जाता है। मोटे रूप से देखा जाए तो नदियों को जोड़ने से पानी की बर्बादी यानी बाढ़ के कारण तबाही व समुद्र में समाहित होने से बचा कर पानी की समस्या के समाधान के लिए तो किया ही जा सकता है। वहीं, सूखे की समस्या का हल, खेती के लिए पानी की उपलब्धता और लोगों के पेयजल की समस्या का समाधान संभव है। राजस्थान नहर इसका जीता जागता उदाहरण है जिससे मरू प्रदेश और सर्वाधिक उपजाऊ और उत्पादक हिस्सा बनने के साथ ही समग्र विकास का माध्यम बन गई है।

जहां तक पार्वती, कालीसिंध, चंबल ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना का प्रश्न है, यह राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार व केन्द्र से सहमति नहीं बनने के कारण लंबे समय से आगे नहीं बढ़ पा रही थी। नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और केन्द्र व मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से यह परियोजना धरातल पर उतरने की स्थिति में आ गई है। यदि निर्धारित सात साल में यह परियोजना धरातल पर आ जाती है, जिस पर आज की सरकार की प्रतिबद्धता को देखते हुए संदेह का कोई कारण नहीं दिखता, राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों की तस्वीर बदल जाएगी। राजस्थान के 21 जिले और मध्यप्रदेश के 13 जिले इस परियोजना से लाभान्वित होंगे। बैराज, कृत्रिम जलाशयों और बांध निर्माण से 159 बांधों को भरा जा सकेगा। बीसलपुर की क्षमता भी बढ़ेगी तो रामगढ़ बांध के भी भरने के सपना भी पूरा हो सकेगा। सबसे बड़ी बात कि चंबल और उसकी सहायक नदियों के जुड़ने से बाढ़ के कारण विनाश का कारण बनने वाले पानी का सदुपयोग हो सकेगा। पेयजल से लेकर खेती किसानी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। यह सब सरकार की इच्छा शक्ति और उसे समय पर अमली जामा पहनाने से ही संभव हो सकेगा। माना जाना चाहिए कि आने वाले समय में पीकेसीईआरसीपी के कार्य को और तेज गति मिलेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महाकुंभ का आध्यात्मिक, वैज्ञानिक व आर्थिक महत्व

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आधुनिकता की उन्मत्त गति की विशेषता वाली दुनिया में, कुछ ही आयोजन ऐसे होते हैं जो लाखों लोगों को अपने से बड़े उद्देश्य की खोज में एकजुट करने की क्षमतारखते हैं। महाकुंभ मेला, 12 वर्षों की अवधि में चार बार होने वाला एक श्रद्धेय मेला, इस उद्देश का उदाहरण है।कुंभ मेला, दुनिया भर में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण सम्मेलन है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री आते हैं जो अपने पापों को शुद्ध करने और आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त करने के लिए पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। तीर्थयात्री 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज की अपनी यात्रा की तैयारी करते हैं, वे आध्यात्मिक अनुष्ठानों की एक श्रृंखला में भाग लेंगे और एक ऐसी यात्रा पर निकलेंगे जो भौतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सीमाओं को पार करती है। हर हिंदू उत्सव और अनुष्ठान के पीछे शास्त्रीय आधार होता है। उन्हें जोश और उत्साह के साथ-साथ एक ठोस वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और दार्शनिक आधार के साथ सम्मानित किया जाता है ये सभी विशेषताएँ मिलकर किसी त्योहार को मनाने या अनुष्ठान करने का कारण प्रदान करती है।

इन अनुष्ठानों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर ले जाना है जहाँ वे पूर्ण मनोवैज्ञानिक संतुलन, नवीनीकरण और विश्राम प्राप्त कर सकें। महाकुंभ मेले के कुछ वैज्ञानिक तत्व इस प्रकार हैं- महाकुंभ मेला एक ऐसा उत्सव है जिसमें विज्ञान, ज्योतिष और आध्यात्मिकता का समावेश होता है। महाकुंभ की तिथियों की गणना वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करके की जाती है, जिनमें से अधिकांश ग्रहों की स्थिति का उपयोग करते हैं। जब बृहस्पति ग्रह ज्योतिषीय राशि वृषभ में प्रवेश करता है, तो यह सूर्य और चंद्र के मकर राशि में प्रवेश के साथ मेल खाता है। ये परिवर्तन जल और वायु को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रयागराज के पवित्र शहर में पूरी तरह से सकारात्मक वातावरण बनता है। बस उस पवित्र स्थल पर होना और गंगा में पवित्र डुबकी लगाना आध्यात्मिक रूप से आत्मा को प्रबुद्ध कर सकता है, जिससे शारीरिक और मानसिक तनाव कम हो सकता है। ज्योतिष- यह उत्सव तब होता है जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति कुछ निश्चित स्थितियों में होते हैं।

नदी संगम- यह आयोजन नदी संगम पर होता है जहाँ सौर चक्र में विशिष्ट अवधियों में अद्वितीय शक्तियाँ कार्य करती हैं। जल- माना जाता है कि यह आयोजन जलमार्गों के ऊर्जा मंथन से जुड़कर शरीर (72त्न जल) को लाभ पहुँचाता है। महाकुंभ मेला पूरे भारत से लोगों का एक विशाल जमावड़ा है जो पवित्र गंगा नदी में स्नान करने के लिए आते हैं। यह आयोजन ज्ञानसे भरा हुआ है और इसमें कई अनुष्ठान और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। कुंभ मेला न केवल दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम है, बल्कि आध्यात्मिक रूप से सबसे गहरा भी है, जो दुनिया भर से लाखों भक्तों, संतों और साधकों को आकर्षित करता है। प्रयागराज में अगला कुंभ मेला 2025 लोगों के लिए अपने आध्यात्मिक सार से फिर से जुड़ने, अपनी आत्मा को शुद्ध करने और सहस्राब्दियों से चली आ रही पवित्र यात्रा पर निकलने का एक अनूठा अवसर है। संक्षेप में, कई ग्रहों की स्थिति का हमारे ग्रह के जल और वायु पर प्रभाव पड़ता है। कुछ ग्रहों की स्थिति में, एक विशिष्ट समय के दौरान एक विशिष्ट स्थान के सकारात्मक ऊर्जा स्तर उच्च हो जाते हैं, जो आध्यात्मिक विकास और जागृति के लिए एक आदर्श वातावरण बनाते हैं।

कुंभ मेले का आर्थिक महत्व प्रधानमंत्री ने हाल ही में महाकुंभ 2025 की तैयारी के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुल ?5,500 करोड़ की 167 विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। 11 भारतीय भाषाओं में श्रद्धालुओं की मदद के लिए बहुभाषी एआय-संचालित चैटबॉट, सह एयक को पेश किया गया। लगभग 4,000 हेक्टेयर में फैले महाकुंभ में 40-45 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम बन जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के आर्थिक सलाहकार केवी राजू का दावा है कि अनुमानित 45 करोड़ तीर्थयात्रियों के साथ, महाकुंभ से कम से कम 2 लाख करोड़ रुपये की आय हो सकती है। मुख्यमंत्री को सलाह देने वाले पूर्व आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी ने अनुमान लगाया कि यदि प्रत्येक तीर्थयात्री 8,000 रुपये खर्च करता है, तो कुल आर्थिक गतिविधि 3.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है, जो इस आयोजन के विशाल वित्तीय महत्व को दर्शाता है।

वरिष्ठ पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि मेले के बुनियादी ढांचे और संपूर्ण विश्व से आने वाले कई यात्री वर्षों तक पर्यटन को लाभ पहुचायेंगे। उन्नत सुविधाएं और कनेक्टिविटी क्षेत्र पर स्थायी प्रभाव डालेगी। सीआईआई की एक पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, 2013 में हुए महाकुंभ से कुल 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जिसमें हवाई अड्डों और होटलों के बुनियादी ढांचे में सुधार शामिल था, जबकि 2019 में कुंभ मेले से कुल 1.2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। सीआईआई के अनुसार, हालांकि कुंभ मेला आध्यात्मिक और धार्मिक प्रकृति का है, लेकिन इससे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों ने 2019 में विभिन्न क्षेत्रों में छह लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया। योगी सरकार राज्य की पर्यटन अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रही है, जिसमें आने वाला महाकुंभ इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उम्मीद है कि इस शानदार आयोजन से संबंधित प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार की संभावनाओं से लगभग 45,000 परिवार लाभान्वित होंगे और विभिन्न क्षेत्रों में लाखों लोग लाभान्वित होंगे।

देहदान से रोग निदान का मार्ग प्रशस्त कर रही है दधीचि देहदान समिति

रामप्रताप मिश्र साकेती

भारतीय संस्कृति में जीते जी सेवा कार्यों के साथ मृत्यु के बाद भी सत्कर्म की प्रेरणा दी जाती है। यही कारण है कि उत्तराखंड की दधीचि देहदान समिति ने लोगों को प्रेरित कर चिकित्सा शिक्षा के लिए लोगों को देहदान के लिए प्रेरित करने का कार्य किया है। महर्षि दधीचि ने सदियों पूर्व देवताओं और मानवता की रक्षा के लिए अपना शरीर दान किया था और अब के देहदानदाता चिकित्सा शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए देहदान कर मानवता के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।दधीचि देहदान समिति गत 27 वर्षों से देहदान, अंगदान और नेत्र दान क्षेत्र में कार्यरत है। समिति उत्तराखंड, दिल्ली, एनसीआर, बिहार, झारखंड आदि राज्यों में यह कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कर रही है। वर्ष 2021 के अंतिम माह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक विजय जुनेजा के मार्गदर्शन में यह समिति गठित हुई। 27 फरवरी 2022 को देहरादून में गठित यह समिति 2024 तक 400 से अधिक देह, नेत्र और अंग दानियों की संख्या पार कर चुकी है। 52 कॉर्निया का दान महंत इंदिरेश अस्पताल, महंत निर्मल आश्रम ऋषिकेश में हो चुका है जबकि 16 देह दानियों का दिव्य दान राजकीय दून मेडिकल कॉलेज देहरादून में सम्पन्न हो चुका है। 11 दिसम्बर 2024 को देहदानी मात्र ढाई दिन की बच्ची थी, जिसका देहदान 11 दिसम्बर 2024 को हुआ जो सबसे कम उम्र के देहदानी के रूप में अंकित है। देहदान के इस समाचार को पूरे देश के समाचार पत्रों और मीडिया ने मुखरता से उठाया। यह बच्ची दो दिनों की थी जिसका नामकरण भी नहीं हुआ था इसीलिए दधिचि देहदान समिति ने इसका नाम विद्या व ज्ञान की देवी सरस्वती जी के नाम पर बालिका का नाम सरस्वती रखा।

देहदान क्या है, यह अपने आप में जटिल प्रश्न है। देहदान का प्रारंभ महर्षि दधिचि के कार्यकाल से माना जाता है। शरीर दान जिसे देहदान भी कहा जाता है। चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के उद्देश्य से मृत्यु के बाद पूरे शरीर का दान है। शरीर का यह दान चिकित्सा छात्रों और शोधकर्ताओं को मानव शरीर को समझने में मदद करने और विज्ञान की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है। चिकित्सा अनुसंधान के लिए अपना शरीर दान करने वाले महापुरुषों में कुछ भारतीय न्यायविद, शिक्षाविद और राजनेता भी शामिल है। न्यायविद लीला सेठ का नाम इनमें प्रमुख है। राजनेताओं में भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेता रहे श्री नानाजी देशमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भूगोलवेत्ता डॉ. नित्यानंद का नाम शामिल है। इसी क्रम में सीपीआईएसम नेता सोमनाथ चटर्जी, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का नाम भी शामिल है, जिन्होंने अपने शरीर को दान कर दिया।

मृत मानव शरीर जिसे शव कहा जाता है उसका उपयोग छात्रों को एनाटॉमी, शरीर की संरचना और उसके काम करने के अध्ययन के बारे में पढ़ाने के लिए किया जाता है। यह चिकित्सकों, शल्य चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य व्यवसाइयों की शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण पाठयक्रमों में से एक है। शवों का उपयोग अनुसंधान चिकित्सा द्वारा नई जीवन रक्षक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के विकास में भी किया जाता है। विज्ञान को अपना शरीर दान करने के विकल्प विचार करने वाले किसी भी व्यक्ति को जानकारी होनी चाहिए कि उसके दान का बहुत बड़ा महत्व है, यह परम दान है जो मेडिकल छात्रों को मानव शरीर की जटिल शारीरिक रचना में महारथ हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे शोधकर्ताओं को भविष्य के रोगियों की मदद के लिए आवश्यक जानकारी मिलती है।

दधिचि देहदान समिति मानवता हित में पूरे देश में गत 27 वर्षों से प्रयासरत है। मानवता के लिए हो रहे इस कार्य का और विस्तार हो, इसके लिए समिति प्रयासरत है। देहदान, अंग दान और नेत्र दान ऐसा महादान है जिसको केवल वही कर सकता है जिस पर ईश्वरीय कृपा हो। एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष अंग दान की कमी से पांच लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है। समिति मानती है कि ऐसे ही लोगों से सम्पर्क कर मानवता हित में देह, नेत्र दान करने का शुभ संकल्प लेने वालों को प्रेरित किया जाए। अंगदान के प्रति जागरूकता की कमी के कारण प्रति दस लाख लोगों में मात्र 0.26 प्रतिशत लोग ही अंगदान कर पाते हैं। इसी संदर्भ में समिति उत्तराखंड में प्रथम अंग कोष स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है।

धर्म की दृष्टि से देहदान, अंग दान, नेत्रदान वर्जित नहीं है। सनातन में कोई भी व्यक्ति जीवित अवस्था में अपना श्राद्ध कर सकता है। अगला शरीर पाने के लिए परिजनों को पिण्डदान नियमानुसार करना पड़ता है। केवल शरीर के दाह संस्कार से कुछ नहीं होता। गोस्वामी तुलसीदास ने इस संदर्भ में लिखा है कि

परहित बस जिनके मनमाही,
तिन कहू जग दुर्बल कछु नाही
तनु तजि तात जाउ मम धामा, देहूं काह तुम पूरन कामा।

यानी जो परोपकार करते हैं उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है वह पूर्ण काम होते हैं।

इसी पंक्ति को पूरा करते हुए इस समिति ने अंगदान, देहदान, नेत्रदान जैसी प्रक्रिया को पूरा कराने का निर्णय लिया है। समिति के सदस्य देहदान, अंगदान अथवा नेत्रदान का संकल्प लेने वाले महादानी के घर जाते हैं और उसके परिजनों की समस्याओं का निराकरण करते हैं। उसके बाद संकल्प पत्र भराया जाता है। उनकी स्वतंत्र सहमति के बाद उनके हस्ताक्षर लिए जाते हैं। संकल्प पत्र में एक निष्पादक का मोबाइल नम्बर लिया जाता है। समिति संकल्प के बाद एक प्रमाण पत्र और एक परिचय पत्र संकल्पित देहदानी के लिए दिया जाता है जिसमें उसका पूरा ब्यौरा होता है। महादानी से अपेक्षा की जाती है कि वह घर में उस प्रमाण पत्र ऐसी जगह लगाए जहां आने वाले अतिथियों को सहजता से दिख जाए ताकि परमधाम गमन के बाद महादानी के परिजनों को लोग याद रखें। संकल्पित महादानी के परिजनों द्वारा जब उसके देहावसान की सूचना मिलती है तो समिति के लोग सारे कार्यों को छोड़कर देहदान की प्राथमिता को पूरा कराते हैं। संकल्पि महादानी के शरीर को घर से मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने में सारे कार्य धैर्यपूर्वक करना होता है। कई बार मोहवश लोग मृत शरीर को मेडिकल कॉलेज को सौंपने को तैयार नहीं होते।

वर्तमान संदर्भ में देखें तो राज्य में अंगदान हार्ट, लीवर, किडनी, स्किन दान की न तो कोई समुचित व्यवस्था है और न ही कोई ऑर्गन स्किन कोष लेकिन दधिचि देहदान समिति के प्रयासों से राजकीय दून मेडिकल कालेज में जल्द ही यह बैंक खुलने जा रहा है। नेत्रदान के मामलों में केवल 15 मिनट का समय लगता है लेकिन यह ध्यान रखना पड़ता है कि संकल्पित महादानी के घर में समय से नेत्र सर्जन अपनी टीम के साथ पहुंच जाए और प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। दधिचि देहदान समिति के महासचिव नीरज पांडे और अध्यक्ष डॉ. मुकेश गोयल के नेतृत्व में प्रदेश में कार्य कर रही है। उनका कहना है कि महादान की अंतिम समय में प्रशंसा होनी चाहिए जिससे औरों को प्रेरणा मिलेगी। नेत्रदान,अंगदान व देहदान का संकल्प लेने हेतु इन नम्बरों पर सम्पर्क करें:- 9412438100, 9897287021, 7906600421, 9837894998, 9411362624

एनआईटी श्रीनगर ने एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हराया

एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर असम में अखिल भारतीय अंतर-एनआईटी फैकल्टी और स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हरा दिया। सिलचर के एनआईटी सिलचर क्रिकेट ग्राउंड में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एनआईटी श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। फैसल इरशाद ने नाबाद 52 रनों की पारी खेली जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल था। उनका साथ आकिब शेख ने दिया जिन्होंने सिर्फ 16 गेंदों पर दो चौकों सहित 16 रनों की तेज पारी खेली। सोहेल अहमद बाबा ने भी आउट होने से पहले 17 रनों का योगदान दिया। हालांकि एनआईटी हमीरपुर के गेंदबाज नियमित अंतराल पर महत्वपूर्ण विकेट लेने में सफल रहे। मनीष ने 3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अमन कुमार ने भी 29 रन देकर 2 विकेट लिए। उनके प्रयासों के बावजूद एनआईटी श्रीनगर का स्कोर चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। जीत के लिए 139 रनों का पीछा करते हुए एनआईटी हमीरपुर को एनआईटी श्रीनगर के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने गति बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा। विवेक तिवारी (15 गेंदों पर 15 रन) और नीरज धीमान (12 गेंदों पर 16 रन) ने कुछ प्रतिरोध दिखाया लेकिन वे बड़ी साझेदारी बनाने में विफल रहे।

भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो अलग हुई विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) संस्था के प्रति उसके समर्थन की पुष्टि करता है। पिछली बार बीएफआई ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट की तारीखों की घोषणा अगले साल जनवरी में होगी जबकि साल का पहला विश्व मुक्केबाजी कप मार्च में ब्राजील में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद जर्मनी, कजाकिस्तान और भारत में प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) तीसरी विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा जिसमें अध्यक्ष पद और कार्यकारी बोर्ड के चुनाव होंगे। इस साल की शुरुआत में नए शासी निकाय में शामिल होने वाला विकल्प चुनने के बाद यह टूर्नामेंट बीएफआई की मेजबानी में पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन होगा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित आयोजनों की मेजबानी के लिए विश्व मुक्केबाजी द्वारा मान्यता मिलना भारत के लिए गर्व की बात है।

टिम साउथी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास, मैकुलम ने की उनके लंबे करियर की सराहना

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और इंग्लैंड के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने 16 साल के टेस्ट करियर का अंत करने वाले तेज गेंदबाज टिम साउथी के लंबे करियर की प्रशंसा की। साउथी ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद लाल गेंद के प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा पहले ही कर दी थी। अनुभवी दाएं हाथ के गेंदबाज ने अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया, क्योंकि न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को सिर्फ 234 रनों पर आउट कर तीसरे टेस्ट में 423 रनों की विशाल जीत हासिल की। साउथी के लिए यह एक पूर्ण-चक्र वाला क्षण था, जब इंग्लैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने इंग्लैंड के ही खिलाफ इस प्रारूप में अपना पहला मैच खेला था। मैकुलम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) द्वारा उनके सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, टिम, मेरे अच्छे दोस्तों में से एक है, वास्तव में बहुत करीबी दोस्त है। वह उन लोगों में से एक है जिसके साथ आप समय बिताना पसंद करते हैं। आप उसे कभी भी किसी भी स्थिति से बाहर नहीं कर सकते। वह बस अपना सिर नीचे रखता है और कड़ी मेहनत करता है और इसलिए सफलता उसके पास आती है।

तीसरी राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का हुआ रंगारंग शुभारंभ

नयी दिल्ली। तीसरी राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का ताल कटोरा स्टेडियम में रंगारंग शुभारम्भ हुआ। नेशनल कराटे फेडरेशन और फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में 20 राज्यों के एक हजार से अधिक कराटे खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। चैंपियनशिप में विभिन्न आयु वर्गों में, बालक और बालिका दोनों श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके जरिए कराटे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक शानदार अवसर भी प्रदान किया जा रहा है।आज यहां इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मिश्रा ने कहा, कराटे केवल एक खेल नहीं है, यह जीवन जीने की एक कला है। यह शारीरिक और मानसिक विकास का एक सशक्त माध्यम है। आज यह जापानी मार्शल आर्ट के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसकी जड़ें भारत की प्राचीन मार्शल आर्ट 'कलारीपयट्टू' में हैं। हमें कराटे और अन्य मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए। खिलाड़ियों को अपनी पूरी मेहनत और लगन से प्रदर्शन करना चाहिए और परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

एजेंसी

ब्रिसबेन। लगातार रूक रूक कर हो रही बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी 89/7 पर पारी घोषित करने और भारत को 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में भारतीय टीम बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिये थे तभी बारिश शुरु हो गई। काफी देर इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं रूकी तो मैच को समाप्त घोषित कर दिया गया, परिणाम स्वरूप मैच ड्रा हो गया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैं 4 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 185 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन बनाकर घोषित की

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और केवल 33 रनों पर उस्मान ख्वाजा (08), मार्नश लाबुशेन (01), नाथन मेकस्विनी (04) मिचेल मॉर्श (02) और स्टीव

स्मिथ (04) पवेलियन लौट गए। यहां से ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। 60 के कुल स्कोर पर सिराज ने हेड (17) को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। पैट कमिंस ने 10 गेंदों पर 20 रनों की तेज पारी खेली। 85 के कुल स्कोर पर बुमराह ने उन्हें आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। बुमराह का यह ओवर समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 89 के कुल स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत के लिए जसप्रीत बुराह ने 3, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए

इससे पहले आज पांचवें दिन आज भारत ने अपने कल के स्कोर 252 रन पर 9 विकेट से आगे खेलना शुरु किया। भारतीय आखिरी जोड़ी आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह कल के स्कोर में 8 रन और जोड़े। 260 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड की गेंद पर आकाशदीप स्टंप आउट हुए। आकाशदीप ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए, वहीं बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और ट्रैविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

विनिसियस जूनियर ने जीता सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। विनीसियस जूनियर ने सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और 2016 में इसकी स्थापना के बाद से ऐसा करने वाले पहले ब्राजीलियाई बन गए। कतर के दोहा में एस्पायर अकादमी में उन्हें विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा, मैं साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पांव खेलने वाला बच्चा था। मैं ऐसे कई बच्चों के लिए आदर्श हूँ जो सोचते हैं कि सब कुछ असंभव है और वे यहाँ तक नहीं पहुँच सकते। 2023-24 सीज़न में, उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 39 मैचों में 24 गोल किए, जिसके साथ उन्होंने ला लीगा, यूईएफए चैंपियंस लीग और सुपरकोपा डी एस्पाना जीता। उन्होंने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के खिलाफ़ सुपरकोपा फ़ाइनल में हैट्रिक बनाई। 2024 बैलन डी%ओर विजेता रॉड्री (43 अंक - मैनचेस्टर सिटी और स्पेन) और साथी टीम के साथी जूड बेलिंगहैम (37 अंक - रियल मैड्रिड और इंग्लैंड) से आगे, विनीसियस 48 अंकों के साथ वोट चार्ट में शीर्ष पर रहे। वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुका मोड्रिक के बाद इस समारोह के इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के

लिए फीफा का पुरस्कार जीतने वाले तीसरे रियल मैड्रिड खिलाड़ी हैं, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। जहां रोनाल्डो ने पहले दो संस्करणों में जीत हासिल की थी, वहीं मोड्रिक ने 2018 में जीत हासिल की थी।

ईडन गार्डन्स में दो महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड्स का नामकरण

एजेंसी

कोलकाता। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने ईडन गार्डन्स के दो दर्शक स्टैंड्स का नामकरण दो महान हस्तियों के नाम पर करने की घोषणा की। यह स्टैंड्स भारतीय सेना के वीर अधिकारी कर्नल एन.जे. नायर और भारत की पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी झूलन गोस्वामी के नाम पर रखे गए हैं। यह सम्मान इन दोनों के अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सलाम करने के लिए दिया गया है।कर्नल एन.जे. नायर, जिन्हें 'एनजे' के नाम से जाना जाता है, भारतीय सेना के एक उत्कृष्ट अधिकारी थे। वे अकेले ऐसे सैनिक थे जिन्हें भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र और दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कर्नल नायर की वीरता और राष्ट्र सेवा को यह सम्मान देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। झूलन गोस्वामी ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में

12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट (जो विश्व रिकॉर्ड है) और 68 टी-20 मैचों में 56 विकेट झटके। क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी इन उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। सीएबी अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हम इन दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, को सम्मानित कर रहे हैं। यह शाम हम सभी के लिए उनके साहस और उपलब्धियों को सलाम करने का एक मौका है।

झूलन गोस्वामी ने इस सम्मान को अपने जीवन का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखा जाएगा। भारतीय टीम के लिए खेलना मेरा सौभाग्य था, लेकिन यह सम्मान मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष और अपने पूरे क्रिकेट करियर में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में कर्नल नायर के बेटे, शिवन जे. नायर, को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सीएबी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे पिता को यह सम्मान दिया।

कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था : राफेल नडाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राफेल नडाल ने कुछ साल पहले टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य के कारण ब्रेक लेने के बारे में सोचा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए उक्त खुलासा किया। नडाल ने द प्लेयर्स ट्रिब्यून पर कहा, शारीरिक दर्द से मैं बहुत अभ्यस्त था, लेकिन कोर्ट पर ऐसे समय भी आए जब मुझे अपनी सांसों को नियंत्रित करने में परेशानी हुई और मैं उच्चतम स्तर पर नहीं खेल पाया। मुझे अब यह कहने में कोई परेशानी नहीं है। आखिरकार, हम इंसान हैं, सुपरहीरो नहीं। शुक्र है, मैं चिंता जैसी चीजों को नियंत्रित करने में असमर्थ होने की स्थिति में नहीं पहुंचा, लेकिन हर खिलाड़ी के साथ ऐसे क्षण आते हैं जब अपने दिमाग को नियंत्रित करना मुश्किल होता है और जब ऐसा होता है तो अपने खेल पर पूरा नियंत्रण रखना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, ऐसे कई महीने थे जब मैंने अपने दिमाग को साफ करने के लिए टेनिस से पूरी तरह से ब्रेक लेने के बारे में सोचा। अंत में, मैंने बेहतर होने के लिए हर दिन इस पर काम किया।38 वर्षीय नडाल ने नवंबर में स्पेन के लिए डेविस कप खेलने के बाद संन्यास ले

लिया था। इससे पहले दो सत्र चोटों से भरे रहे थे, जिसके कारण वे बहुत कम ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे। पोस्ट में उन्होंने अपने बाएं पैर में पुराने दर्द के बारे में लिखा, जो पहली बार तब सामने आया जब वह 17 साल के थे और कहा कि तब उन्हें बताया गया था कि वह शायद फिर कभी पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने घर पर कई दिन रोते हुए बिताए, लेकिन यह विनम्रता का एक बड़ा सबक था, और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास एक पिता थे - मेरे जीवन में उनका वास्तविक प्रभाव - जो हमेशा बहुत सकारात्मक थे। नडाल ने फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 चैंपियनशिप जीतीं। उन्होंने मैचों से पहले घबराहट और अपने करियर के कुछ मुख्य अंशों का उल्लेख किया, और कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी विरासत यह होगी कि मैंने हमेशा दूसरों के साथ गहरे सम्मान के साथ व्यवहार करने की कोशिश की। यह मेरे माता-पिता का सुनहरा नियम था।

भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के समापन के बाद तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। ब्रिसबेन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अश्विन ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रारूपों में भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के रूप में मुझमें अभी भी कुछ दमखम बाकी है, लेकिन मैं इसे व्यक्त करना चाहता हूं, क्लब स्तर के क्रिकेट में इसका प्रदर्शन करना चाहता हूं।उन्होंने कहा, मैंने खूब मौज-मस्ती की। मैंने रोहित [शर्मा] और अपने कई साथियों के साथ बहुत सारी यादें बनाई हैं, भले ही हमने पिछले कुछ सालों में उनमें से कुछ को [रिटायरमेंट के कारण] खो

दिया हो। हम ओ.जी. के आखिरी समूह हैं, हम ऐसा कह सकते हैं। मैं इसे इस स्तर पर खेलने की अपनी तारीख के रूप में चिह्नित करूंगा। जाहिर है कि बहुत से लोगों को धन्यवाद देना है, लेकिन अगर मैं बीसीसीआई और साथी टीम के साथियों को धन्यवाद नहीं देता तो मैं अपने कर्तव्यों में विफल हो जाऊंगा।

अश्विन ने 106 टेस्ट में 24 की औसत से 537 विकेट लेकर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपना टेस्ट करियर समाप्त किया, जो केवल अनिल कुंबले से पीछे है, जिन्होंने 132 टेस्ट में 619 विकेट लिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चल रही सीरीज़ के पहले तीन टेस्ट में से सिर्फ़ एक खेला, एडिलेड में दिन-रात के मुक़ाबले में उन्होंने 53 रन देकर 1 विकेट लिया। पिछली सीरीज़ में, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ घरेलू मैदान पर 3-0 की हार में, अश्विन ने 41.22 की औसत से सिर्फ़ नौ विकेट लिए थे। भारत के विदेशी मुक़ाबलों में नियमित रूप से द्वन्द्व में शामिल न होने और उनकी अगली टेस्ट सीरीज़ इंग्लैंड के विदेशी दौरे पर होने के कारण, भारत के अगले घरेलू सीज़न तक अश्विन 39 साल के हो जाएँगे। अपने विकेटों के अलावा, अश्विन ने छह शतकों और 14 अर्द्धशतकों के साथ 3503 टेस्ट रन भी बनाए, जिसमें छह शतक और 14 अर्द्धशतक शामिल हैं। वह एक ही टेस्ट में सबसे अधिक बार (4) शतक और पांच विकेट लेने का भारतीय रिकॉर्ड रखते हैं, जो केवल इयान बॉथम (5) से पीछे है। वह 3000 से ज़्यादा रन और 300 विकेट लेने वाले 11 ऑलराउंडरों में से एक बन गए। उन्होंने मुथैया मुरलीधरन के बराबर रिकॉर्ड 11 प्लेयर-ऑफ़-द-सीरीज़ पुरस्कार भी जीते।

आईसीसी ने मैच रेफरी रिची रिचर्डसन को 100 एकदिनी मैचों की उपलब्धि पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मैच रेफरी के रूप में 100 पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग करने के लिए रिची रिचर्डसन को बधाई दी है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के सदस्य रिचर्डसन पार्ल में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पहले एकदिनी मुकाबले में इस उपलब्धि पर पहुंचे वेस्टइंडीज के 62 वर्षीय पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन ने फरवरी 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से 52 टेस्ट, 106 टी20, आठ महिला वनडे और 15 महिला टी20 में भी अंपायरिंग की है।आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक (अंपायर और रेफरी) सीन इजी ने कहा कि हाल के महीनों में रिची के लिए यह तीसरा मील का पत्थर है। रिची उन सभी सम्मानों के हकदार हैं जो उन्हें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीसी की ओर से मैं रिची को उनके 100वें एकदिवसीय के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने वाले वर्षों में उन्हें और अधिक प्रशंसा मिलने की कामना करता हूं। सीन इजी ने आगे कहा कि रिची ने एक खिलाड़ी और टीम मैनेजर के रूप में अपने अनुभव का उपयोग आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका में किया है। उन्होंने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक संयम के साथ कार्य किया है और हितधारकों का सम्मान अर्जित किया है। हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारे एलीट पैनल में हैं। वहीं, उपलब्धि पर रिची रिचर्डसन ने कहा कि 100 एकदिवसीय मैचों तक पहुंचना विशेष है क्योंकि यह अवसर मेरे 100 टी20 और 50 टेस्ट मैचों तक पहुंचने के तुरंत बाद आया है।

स्कॉट बोर्थविक की जगह डरहम के कप्तान बने एलेक्स लीस

एजेंसी

डरहम। एलेक्स लीस को डरहम क्रिकेट क्लब का कप्तान नियुक्त किया गया है और उन्होंने अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह कम से कम अगले तीन सत्रों तक क्लब में बने रहेंगे। 2022 में इंग्लैंड के लिए 10 टेस्ट खेलने वाले लीस ने पिछले सीजन में डरहम को टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था और पिछले दो वर्षों से उनकी व्हाइट-बॉल टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अब वह काउंटी चैंपियनशिप में भी स्कॉट बोर्थविक की जगह लेंगे, जो अपने करियर के अंत के करीब पहुंचने के साथ ही खिलाड़ी-कोच की भूमिका में आ रहे हैं। हैलिफ़ैक्स में जन्मे लीस को भविष्य में टेस्ट में नियमित खिलाड़ी माना जा रहा था, जब उन्होंने यॉर्कशायर में 22 साल की उम्र में टी20 टीम की कप्तानी की थी। लेकिन जेसन गिलेस्पी के कोच पद से हटने और 2018 में डरहम में जाने के बाद उन्हें फॉर्म में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कैरिबियन में अपनी पहली सीरीज़ में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उन्हें बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड के पहले घरेलू समर के लिए बरकरार रखा गया, लेकिन अंततः 19 पारियों में दो अर्द्धशतक और 23.84 की औसत के रिकॉर्ड के साथ उन्हें बाहर कर दिया गया। वह तब से डरहम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले दो सीज़न में नौ चैंपियनशिप शतक बनाए हैं।लीस ने क्लब के एक बयान में कहा, डरहम में नए पुरुष क्लब कप्तान के रूप में नामित होने पर मुझे खुशी है। उत्तर पूर्व में जाना मेरे लिए अच्छा रहा है, इसलिए अब मुझे डरहम की कप्तानी करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। मेरा मानना है कि इस टीम में आगे बढ़ने और ट्रॉफी जीतने की क्षमता है। हमारे पास यहाँ बहुत से बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यही बात मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का समूह है जो वास्तव में चुनौती दे सकते हैं और कुछ जीतने की कोशिश कर सकते हैं। डरहम की कप्तानी करने का यह अवसर मुझे रेड-बॉल टीम पर कुछ वास्तविक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है, जो हमने पिछले कुछ वर्षों में बनाई है।

डरहम के क्रिकेट निदेशक मार्कस नॉर्थ ने कहा कि वह खुश हैं कि लीस ने अपने अनुबंध के विस्तार पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की है, जो 2025 सत्र के अंत में समाप्त होने वाला था। उन्होंने कहा, एलेक्स का क्लब के प्रति समर्पण, जुनून और महत्वाकांक्षाएं 2018 में उनके आगमन के बाद से ही स्पष्ट हैं।

मैथ्यूज की तूफानी बल्लेबाजी के आगे टीम इंडिया पस्त, वेस्टइंडीज ने 9 विकेट से जीता दूसरा टी20 मैच

एजेंसी

मुंबई। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने 3 मैचों की टी20 श्रृंखला का दूसरा मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने श्रृखंला में 1-1 से बराबरी कर ली है। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली कैरेबियाई टीम की कप्तान हीली मैथ्यूज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 85 रन की तेजतर्रार नाबाद पारी खेली। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत की ओर से मिले 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 16 ओवर में 10 के रनगति से स्कोर करते हुए एक विकेट खोकर 160 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। कप्तान हीली मैथ्यूज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सबसे अधिक नाबाद 85 रनों की पारी खेली। जबकि क्यूना जोसेफ ने 38 रन और शेमिना कैम्बेल ने नाबाद 29 रन बनाए। भारत की ओर से साइमा ठाकोर ही एकमात्र विकेट लेने में सफल रहीं।

इससे पहले, टॉस हारककर बल्ललेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। भारत के लिए सलामी बलल्लेबाजी स्मृति मंधाना में सर्वाधिक 62 रन बनाए। वहीं, रिचा घोष ने 32 रन, दीप्ति शर्मा ने 17 और जेमिमा रोड्रिग्स ने 13 रन का योगदान दिया। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। वेस्टइंडीज की तरफ से चिनेल हेनरी, डिआंड्रा डॉटिन, हेले मैथ्यूज और अफ़ी फ्लेचर ने दो-दो विकेट चटकाए।

आधिकारिक तौर पर न्यूजीलैंड के पूर्णकालिक सफेद गेंद कप्तान बने मिशेल सेंटनर

एजेंसी

वेलिंगटन। मिशेल सेंटनर को आधिकारिक तौर पर न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल टीमों का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह केन विलियमसन की जगह पूर्णकालिक पदभार संभालेंगे, जिन्होंने यूएसए और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप से ब्लैक कैप्स के जल्दी बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

सेंटनर, जो दो व्हाइट-बॉल प्रारूपों में 100 से अधिक बार देश का प्रतिनिधित्व करने वाले केवल चार खिलाड़ियों में से एक हैं, पहले ही 24 टी20आई और 4 वनडे मैचों में टीम का नेतृत्व कर चुके हैं, जिसमें पिछले महीने श्रीलंका में टीम का आखिरी असाइनमेंट भी शामिल है।पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनका कार्यकाल दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20आई और वनडे सीरीज से शुरू होगा। इन दो सीरीज से न्यूजीलैंड के लिए सफेद गेंद वाले क्रिकेट का एक

बड़ा दौर शुरू होगा, जिसमें फरवरी में पाकिस्तान में एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और घरेलू समर के समापन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20आई और वनडे सीरीज शामिल है।सेंटनर ने एनजेडसी के हवाले से कहा, यह स्पष्ट रूप से एक बड़ा सम्मान और विशेषाधिकार है जब आप छोटे बच्चे होते हैं तो हमेशा न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना होता है, लेकिन दो प्रारूपों में आधिकारिक तौर पर अपने देश का नेतृत्व करने का अवसर मिलना विशेष है। यह एक नई चुनौती है और मैं सफेद गेंद क्रिकेट के महत्वपूर्ण दौर में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं जो हमारे सामने है। जाहिर है कि हमारे कुछ अनुभवी खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और उनके पास थोड़ा बदलाव है। मुझे लगता है कि समूह के बाकी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों के लिए यह रोमांचक है कि वे अब चुनौती स्वीकार करें और इस टीम को और सफलता की ओर ले जाएं।

हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे यूपी योद्धाज

एजेंसी

पुणे। के शानदार खेल की बदौलत यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 117वें मैच में हरियाणा स्टालर्स को 31-24 के स्कोर से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। यूपी की टीम सात मैचों से अपराजित है।यूपी ने 20 मैचो में 11वीं जीत हासिल की जबकि पहले ही प्लेआफ का टिकट कटा चुके हरियाणा को 21 मैचों में छठी हार मिली। यूपी पर जीत हरियाणा को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचा सकती थी लेकिन हरियाणा कोई खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर सका। विनय और विशाल ने 6-6 अंक लिए जबकि शादलू को चार टैकल प्वांट्स मिले।

हरियाणा मनमाफिक शुरुआत के साथ तीन मिनट में ही 4-0 से आगे हो गया था। इसमें विनय के तीन अंक शामिल थे। इसके बाद भवानी ने साहिल को लपक यूपी का खाता खोला। और फिर यूपी ने जल्द ही स्कोर बराबर करते हुए हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। लेकिन जयदीप ने भवानी को लपक 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-5 कर दिया। ब्रेक के बाद हरियाणा को 1 के मुकाबले दो अंक मिले लेकिन उसके लिए सुपर टैकल आन था।

शिवम ने हालांकि साहुल को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाल दिया। फिर डू ओर डाई रेड पर भरत का शिकार कर शादलू ने स्कोर 10-6 कर दिया। सुमित ने हालांकि इसी तरह की रेड पर साहिल को लपक हिसाब बराबर किया। इस बीच एक नाटकीय परिवर्तन हुआ। भवानी ने सुपर रेड के साथ हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर यूपी ने 13-11 की लीड ले ली। आलइन के बाद आशू ने शिवम का शिकार किया और फिर भरत ने जयदीप को बाहर कर दिया। यूपी ने 15-13 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद दोनो टीमों को डू ओर डाई रेड पर अंक मिले। इसके बाद भरत और भवानी ने दो और अंक दिला 18-14 स्कोर पर हरियाणा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर गगन ने विशाल को आउट हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला और भवानी ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ अपनी टीम को 23-14 से आगे कर दिया। 30 मिनट के बाद स्कोर 24-16 से यूपी के पक्ष में था। हरियाणा वापसी की फिराक में था लेकिन इस बीच भवानी ने शादलू और राहुल को बाहर कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर भवानी ने मनी को भी बाहर कर फासला 10 का कर दिया। हालांकि रिवाइव होकर आए शादलू ने भरत को आउट किया लेकिन अगली रेड पर वह खुद लपके गए। इसके बाद हरियाणा ने लगातार दो अंकों के साथ स्कोर 21-28 कर दिया लेकिन अपने नौवें टैकल प्वाइंट के साथ यूपी ने फिर 9 की लीड ली, जिसे गगन ने 10 का कर दिया। अब सिर्फ सवा दो मिनट बचे थे। अब हरियाणा की राह मुश्किल हो गई थी और अंततः मनप्रीत सिंह की टीम को हार स्वीकार करनी पड़ी।

सोना चांदी के भाव में कमी

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी गिरावट लिए बताई गई। आज चांदी सिक्का स्थिर रहा। विदेशी बाजार में सोना 2640 डालर व चांदी 3030 सेन्ट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना-चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 78400 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 90700 रुपये प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 1125 रुपये प्रति नग।

एस्सार की ग्रीनलाइन ने एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। एस्सार की ग्रीन मोबिलिटी पहल का हिस्सा ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बैटरी निर्माता एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह सहयोग ग्रीनलाइन के पर्यावरण के अनुकूल एलएनजी-संचालित ट्रकों को एक्साइड के लॉजिस्टिक्स संचालन में एकीकृत करेगा, जो एक्साइड की आपूर्ति श्रृंखला को इसके स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित बेड़े को अपनाकर एक्साइड ने अपने पर्यावरण फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाया है। ग्रीनलाइन का एलएनजी-संचालित बेड़ा उन्नत तकनीक, वास्तविक समय वाहन निगरानी, विष्यसूचक विश्लेषण और बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। ये ट्रक पारंपरिक डीजल से चलने वाले वाहनों का लागत प्रभावी, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं, जिनकी एक टैंक पर रेंज 1,200 किलोमीटर तक है, जो उन्हें एक्साइड की लंबी दूरी की परिवहन आवश्यकताओं के लिए आदर्श बनाता है। ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आनंद मिमानी ने कहा, यह सहयोग इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधान बैटरी उद्योग की अनूठी मांगों के साथ तालमेल बिठा सकते हैं और पर्यावरण पर मापने योग्य प्रभाव डाल सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिका रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.05 प्रतिशत लुढ़ककर 69.97 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत उतरकर 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

मारूति सुजुकी एक वर्ष में बनाये 20 लाख वाहन

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने इतिहास में पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में 20 लाख वाहनों का उत्पादन करने की घोषणा करते हुये आज कहा कि हरियाणा के खरखौदा में 10 लाख वाहन निर्माण का संयंत्र का काम चल रहा है तथा 10 लाख वाहन उत्पादन क्षमता का एक और ग्रीन फील्ड संयंत्र लगाने के लिए स्थान का तलाश किया जा रहा है। कंपनी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि मारुति सुजुकी वर्तमान में तीन विनिर्माण सुविधाएं संचालित करती है। हरियाणा में दो (गुड़गांव और मानेसर) और गुजरात में एक (हंसलपुर)। इन सुविधाओं की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 23.5 लाख वाहन है। भारत और दुनिया भर में ऑटोमोबाइल की बढ़ती मांग की प्रत्याशा में, कंपनी अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता को 40 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए, यह हरियाणा के खरखौदा में एक नई ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा स्थापित कर रही है। खरखौदा साइट पर निर्माण कार्य योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और 2.50 लाख इकाइयों की वार्षिक क्षमता वाला पहला संयंत्र 2025 में चालू होने की उम्मीद है। एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद, खरखौदा सुविधा की योजना प्रति वर्ष 10 लाख यूनिट की होगी। इसके अतिरिक्त, मारुति सुजुकी 10 लाख यूनिट की वार्षिक क्षमता वाली एक और ग्रीनफील्ड सुविधा की योजना बना रही है और इस नई सुविधा के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करने की प्रक्रिया में है।

इनोवेशन , निवेश और विशेषज्ञता द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा रहे हैं निजी संस्थान

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने उच्च शिक्षा में कौशल की खामियों को दूर करने और इसे सुलभ बनाने के लिए आधुनिक दृष्टिकोण पर विचार करने की अपील करते हुये कहा है कि निजी संस्थान इनोवेशन, निवेश एवं विशेषज्ञता के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एजुकेशन प्रोमोशन सोसाइटी फॉर इंडिया (ईपीएसआई) ने आज यहां इस विषय पर गोलमेज चर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया जहां विशेषज्ञों ने ये बातें की। इस कार्यक्रम में विचारक, नीतिनिर्माता और शिक्षा क्षेत्र के उद्यमी एक मंच पर इकट्ठा हुए, जिन्होंने भारत में उच्च शिक्षा में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि में कमी अस्थायी झटका, अर्थव्यवस्था में बेहतर ग्रोथ देखने को मिलेगी: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 5.4 फीसदी रही है। यह आंकड़ा उम्मीद से कम है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में इसमें सुधार होगा। वित्त मंत्री ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों पर अपने जवाब में कहा कि दूसरी तिमाही में वृद्धि की प्रवृत्ति एक अस्थायी झटका है और अगली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में बेहतर वृद्धि देखने को मिलेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार पूंजीगत व्यय के जरिए विकास को आगे बढ़ा रही है, ताकि अर्थव्यवस्था में इसके गुणक प्रभाव को फैलाया जा सके।सीतारमण ने कहा कि दूसरी

तिमाही भारत और दुनिया की अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण रही है। पिछले तीन वर्षों में देश की जीडीपी वृद्धि औसतन 8.3 फीसदी रही है। वैश्विक मानकों के हिसाब से यह एक बेहतरीन संख्या है। वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी और जुलाई-सितंबर अवधि में 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम 5.4 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर एक ''अस्थायी झटका'' है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी।सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एनडीए शासन में इस पर बेहतर नियंत्रण है, जबकि यूपीए के शासन में यह दोहरे अंक को छू गई थी। विनिर्माण क्षेत्र में कोई सामान्य मंदी नहीं है, आधे विनिर्माण क्षेत्र मजबूत वृद्धि के संकेत दे रहे हैं। अप्रैल से अक?टूबर 2024-25 के दौरान खुदरा महंगाई 4.8 फीसदी रही, यह कोरोना महामारी के बाद सबसे कम है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेरोजगारी दर वित्त वर्ष 2017-18 में 6 फीसदी से घटकर अब 3.2 फीसदी हो गई है। वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रथम अनुपूरक मांग राशि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफी कम है, जो बजट निर्माण के बजट अनुमान में अधिक सटीकता दर्शाती है। लोकसभा ने चर्चा के बाद करीब 87,762 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच के सरकार के प्रस्ताव को पारित कर दिया, जिसमें 44,123 करोड़ रुपये का शुद्ध नकद व्यय शामिल है।

कैरारो इंडिया का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 668-704 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि कैरारो इंडिया लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर को बंद होगा। इस शेयर के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 19 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इसके जरिए 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की है। कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 30 दिसंबर को सूचीबद्ध होंगे। कैरारो इंडिया के मुताबिक 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21

इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। आईपीओ से प्राप्त पूरी धन राशि कंपनी के बजाय सीधे कैरारो इंटरनेशनल एस ई को ही मिलेगी।

देश में 15 दिसंबर तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक 61.39 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। पिछले चीनी विपणन सत्र में इसी अवधि तक 74.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस तरह चीनी के उत्पादन में अब तक 17 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, उत्पादन के आंकड़ों में चीनी का इथेनॉल निर्माण के लिए उपयोग की मात्रा शामिल नहीं है।

चीनी उद्योग के प्रमुख निकाय भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने जारी एक बयान में बताया कि महाराष्ट्र में चीनी के उत्पादन में आई गिरावट के कारण अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन रहा है। इस्मा के मुताबिक इस साल चालू कारखानों की संख्या 477 है, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 496 चीनी मिलें चालू थीं। इस्मा के जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 22.11 लाख टन से बढ़कर 23.04 लाख टन पर पहुंच गया है। हालांकि, महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 24.45 लाख टन

से घटकर 16.78 लाख टन रहा। वहीं, कर्नाटक में चीनी का उत्पादन 17.56 लाख टन से घटकर 13.85 लाख टन रह गया है। उद्योग निकाय इस्मा ने कहा कि ''इस साल चीनी का इथेनॉल के निर्माण में इस्तेमाल पिछले साल के 21.5 लाख टन के मुकाबले करीब 40 लाख टन ज्यादा रहने का अनुमान है।''

इस्मा ने कहा कि इस साल कर्नाटक में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में करीब 7-12 दिन देरी से शुरू हुईं, जबकि एक अन्य प्रमुख राज्य महाराष्ट्र में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में 15-20 दिन देरी से चालू हुईं। हालांकि, इन प्रमुख राज्यों में देरी से पेराई शुरू होने के बावजूद चालू मिलों की संख्या और संबंधित पेराई दर में तेजी से वृद्धि हो रही है।

आय फाइनेंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित एमएसएमई ऋणदाता कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के माध्यम से 1,450 करोड़ रुपये जुटाने की है।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने 1,450 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए अपना डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के 02 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले प्रस?तावित इस आईपीओ में 885 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारकों द्वारा 565 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में भाग लेने वालों में मुख?य रूप से एलजीटी कैपिटल, कैपिटलजी एलपी, ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और अल्फा वेव वेंचर्स जैसे प्रमुख निवेशक शामिल

हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 में 43.9 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में 291.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करते हुए 171.7 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आया फाइनेंस का शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 0.9 फीसदी और प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 72 फीसदी है, जो अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम स्थित आय फाइनेंस लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। यह कंपनी पूरे भारत में सूक्ष्म-स्तरीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है। यह कंपनी इस क्षेत्र में देश की बढ़ती हुई ऋण मांग का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत की। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इनमें से टॉस द कॉइन के शेयर खरीददारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण गिरावट का शिकार होकर लोअर सर्किट पर पहुंच गए। मार्केटिंग कंसल्टिंग फर्म टॉस द कॉइन के शेयर की आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 182 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज कंपनी के शेयर 345.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से टॉस द कॉइन के शेयर उछल कर 363.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया है। टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने के कारण ये ओवरऑल 1,025.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था?। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 964.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,550.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर आयकर विभाग ने चलाया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए अभियान चलाया है। आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर टैक्सपेयर्स और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा जा रहा है।आयकर विभाग ये एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेज रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में लेनदेन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2023-24 और वित?त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में रिपोर्ट की गई आय और लेन-देन उनके एआईएस में रिपोर्ट किए गए हैं, लेकिन उन्होंने संबंधित

तथा आयकर रिटर्न में इनकम और लेन-देन के बीच अंतर को हल करने में करदाताओं की सहायता के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसके जरिए उन व्यक्तियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनकी कर योग्य इनकम या महत्वपूर्ण उच्च-मूल्य वित्त वर्ष के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है। सीबीडीटी ने कहा कि ये पहल ई-सत्यापन योजना, 2021 के कार्यान्वयन का हिस्सा है। इस अभियान के तहत उन मामलों में करदाताओं और आयकर रिटर्न जमा नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनात्मक संदेश भेजे गए हैं, जहां वार्षिक सूचना विवरण में लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर की सूचना के बीच अंतर है। सीबीडीटी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन करदाताओं को इसके बारे में याद दिलाना और उनका मार्गदर्शन करना है। इससे वे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित आईटीआर दाखिल कर सकेंगे, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। वित्त वर्ष 2021-22 से संबंधित मामलों के लिए करदाता 31 मार्च, 2025 की समय-सीमा तक अद्यतन आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। सीबीडीटी ने पिछले महीने एक अभियान शुरू किया था। इसके तहत उन करदाताओं को संदेश भेजे गए थे जिन्होंने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आईटीआर में उच्च मूल्य वाली विदेशी आय या संपत्ति का खुलासा नहीं किया है।

जेम के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून में बूट कैंप आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून के आईआरडीटी ऑडिटोरियम में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 'जीईएम विक्रेता संवाद 2024 उत्तराखंड' का आयोजन किया।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जेम के समावेशिता के मुख्य आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड के विक्रेताओं, उद्यमियों, एफपीओ आदि के सामने जेम पोर्टल को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना था। इस संवाद कार्यक्रम में 60 से ज?यादा विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। मंत्रालय के मुताबिक इससे क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के बीच जागरुकता बढ़ाने तथा पोर्टल

को अपनाने में सहायता मिली। संवाद के दौरान हितधारकों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म की डिजिटल क्षमताओं, विशेषताओं और कार्यात्मकताओं की सूक्ष्म समझ प्रदान करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा विक्रेता यात्रा की प्रमुख उपलब्धियों पर गहन चर्चा की गई और सूचनात्मक प्रश्नोत्तर सत्रों के दौरान हितधारकों की कई समस्याओं का तुरंत समाधान किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम में त्वरित सहायता के लिए एक समर्पित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस इको-सिस्टम में नए विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को शामिल करने के लिए पंजीकरण अभियान भी चलाया गया। वर्तमान में उत्तराखंड के लगभग 20 हजार विक्रेता और सेवा प्रदाता गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। इनमें से 10,500 से अधिक एमएसई और 1900 से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम डेढ़ लाख से अधिक सरकारी खरीदारों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस का लाभ उठा रहे हैं। 11 दिसंबर, 2024 तक उत्तराखंड स्थित विक्रेताओं द्वारा देशभर में सरकारी खरीदारों के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर 8950 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए गए हैं। इस हिस्से का करीब 50 फीसदी हिस्सा राज्य के एमएसई द्वारा दिया जाता है। राज्य में अपनी पहुंच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने पर केंद्रित इस संवाद कार्यक्रम का प्रस्ताव आउटरीच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने के लिए रखा गया था। मुख्य खरीद अधिकारी (राज्य) एवी मुरलीधरन ने कहा कि इस तरह की पहल जागरुकता बढ़ाने और क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपयोगी है।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के

लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं।

इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लॉन्च किया। ये व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

उद्योग प्रशिक्षण के लिए एआईसीटीई और सीआईआई ने की साझेदारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कौशल विकास पर 11वें सीआईआई वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। इस सहयोग का उद्देश्य सभी एआईसीटीई अनुमोदित तकनीकी संस्थानों में वर्तमान और भविष्य में उद्योग जगत की जरूरतों पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना है। इस दौरान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के अध्यक्ष अतुल कुमार तिवारी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप उच्चायुक्त निकोलस मैककैफ्रे, सीआईआई राष्ट्रीय कौशल विकास और आजीविका समिति के अध्यक्ष, सीआईआई विमानन समिति, आकासा एयरलाइंस के सह-संस्थापक और बोर्ड सदस्य, होमेज के संस्थापक व निरंतर सेवा की केंद्रीय क्षमता टीम के अध्यक्ष आदित्य घोष समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रो. टी.जी. सीताराम ने भारत के विकास को गति देने के लिए कौशल विकास को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि हम अपने अद्वितीय जनसांख्यिकीय परिस्थिति का लाभ उठाने के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू कर रहे हैं।

चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार में कोहराम, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली और हेवीवेट शेयरों में आई कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवालों ने दबाव बढ़ा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.30 प्रतिशत और निफ्टी 1.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज के कारोबार में सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल, ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर में दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 5 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.98 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,107 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,576 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,441 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 90 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,521 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 794 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,727 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सिर्फ 1 शेयर हरे निशान में और 49 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.76 अंक की कमजोरी के साथ 81,511.81 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,613.64 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,136.37 अंक टूट कर 80,612.20 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी 5 मिनट के कारोबार में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 1,064.12 अंक की गिरावट के साथ 80,684.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 83.45 अंक की कमजोरी के साथ 24,584.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,624.10 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 364.80 अंक की गिरावट के साथ 24,303.45 अंक तक लुढ़क गया।

बंगलादेश चुनाव आयोग राष्ट्रीय चुनावों के लिए विशिष्ट तारीखें प्रदान करेगा : शफीकुल आलम

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा राष्ट्रीय चुनाव कराने के लिए अनुमानित समयसीमा की घोषणा करने के एक दिन बाद, उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि देश का चुनाव आयोग चुनाव के लिए एक विशिष्ट तारीख की घोषणा करेगा। बिजनेस स्टैंडर्ड बंगलादेश ने रिपोर्ट में कहा कि ढाका में विदेश सेवा अकादमी में प्रेस से बात करते हुए आलम ने कहा कि ÷चुनाव को लेकर बहुत स्पष्ट रोडमैप दिया गया है, इससे स्पष्ट रोडमैप क्या हो सकता है? मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि चुनाव दिसंबर 2025 या 30 जून 2026 के बीच हो सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा सही तारीख निर्धारित और घोषित की जाएगी। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग पर कटाक्ष करते हुए, आलम ने कहा कि छात्र विद्रोह के दौरान नरसंहार के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा, उन्होंने दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने के बजाय, विशेष रूप से उच्च शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए, अनावश्यक खर्चों पर करोड़ों टका बर्बाद करने के लिए हसीना सरकार की आलोचना की।

बंगलादेश के जहाजरानी सलाहकार, जमात ने मोदी के विजय दिवस पोस्ट की आलोचना की

ढाका। बंगलादेश में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजय दिवस मनाने वाली पोस्ट को लेकर हुई निंदा और विवादों के बाद, जमात-ए-इस्लामी-बंगलादेश और देश के जहाजरानी सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल ने उनकी आलोचना की है। जहाजरानी सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध जीतने का श्रेय पूरी तरह से बंगलादेश को है। जमात-ए-इस्लामी-बंगलादेश के महासचिव मिया गोलम परवार ने मोदी के ट्वीट को अपमानजनक कहा। परवार ने कहा, 16 दिसंबर, बंगलादेश के विजय दिवस के अवसर पर, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बंगलादेश के मुक्ति संग्राम को भारत का युद्ध कहा। उन्होंने 1971 में बंगलादेश की ऐतिहासिक जीत को भारत की जीत बताया। उन्होंने कहा कि विजय दिवस पर अपने पोस्ट में मोदी ने बंगलादेश का नाम तक नहीं लिया। मोदी का बयान बंगलादेश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और मुक्ति संग्राम के प्रति अपमानजनक और गौरव को कम करना है।

चीन 2025 में रूस के साथ सहयोग बढ़ाएगा : वांग

मॉस्को। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन 2025 में रूस के साथ सहयोग को गहरा करने की इच्छा रखता है। श्री वांग ने 2024 में चीन की कूटनीति एवं वैश्विक मामलों पर एक सम्मेलन के दौरान कहा, हम चीन और रूस के बीच व्यापक रणनीतिक बातचीत और सभी क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजिंग पूरी दुनिया के लिए स्वतंत्रता, पारस्परिक

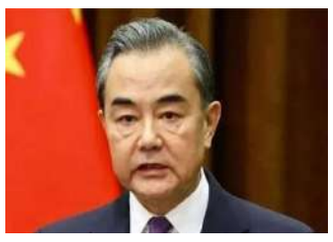

उपलब्धियों और लाभ की दिशा में चीन-यूरोपीय संबंधों की निरंतर प्रगति को भी बढ़ावा देगा। श्री वांग ने कहा,वैश्विक अस्थिरताओं और संघर्षों के बीच चीन शांति के लिए मजबूती से काम करेगा। चीन के शीर्ष राजनयिक ने उल्लेख किया कि बीजिंग को उम्मीद है कि नया अमेरिकी प्रशासन चीन की ओर आगे बढ़कर, बाधाओं को दूर करके और चीन-अमेरिकी संबंधों **के स्थिर, स्वस्थ एवं सतत विकास वाला सही विकल्प चुनेगा।**

ट्रम्प ने टिकटॉक सीईओ से मुलाकात की

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टिकटॉक के सीईओ से मुलाकात की है। सोशल मीडिया दिग्गज ने वाशिंगटन द्वारा इसे प्रतिबंधित करने की योजना का विरोध किया है।श्री ट्रम्प के संचार उप निदेशक मार्गो मार्टिन के फुटेज में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा कि उनके दिल में ऐप के लिए 'एक गर्मजोशी' है जो उन्हें विश्वास है कि युवा मतदाताओं को आकर्षित करने में उनकी मदद करता है। बीबीसी के अमरीकी पार्टनर सीबीएस न्यूज़ ने बैठक से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि श्री ट्रम्प ने सोमवार को फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो एस्टेट में शू ज़ी च्यू से मुलाकात की। इस साल की शुरुआत में पारित एक कानून का मतलब है कि टिकटॉक पर तब तक प्रतिबंध रहेगा जब तक कि इसे इसकी चीनी मूल कंपनी बाइटडांस द्वारा 19 जनवरी से पहले नहीं बेचा जाता। कंपनी ने प्रतिबंध को स्थगित करने के लिए अमेरिकी शीर्ष अदालत में एक आपातकालीन आवेदन किया है। अमेरिका चाहता है कि टिकटॉक को बेचा जाए या प्रतिबंधित किया जाए क्योंकि बाइटडांस और चीनी राज्य के बीच कथित संबंध हैं। ऐसे संबंध जिनसे टिकटॉक और बाइट डांस दोनों ने हमेशा इनकार किया है। अदालत में पेश करने वाले विधेयक में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विदेशी विरोधी नियंत्रित अनुप्रयोगों द्वारा उत्पन्न खतरे से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है।'

जेलेंस्की का दावा : रूसियों ने जलाया उत्तर कोरियाई सैनिक का शव, शेयर किया वीडियो

एजेंसी

सोल। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंकी ने एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि इसमें एक रूसी सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिक के शव को आग लगा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य रूस के साथ लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों की उपस्थिति को छिपाना है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए एक वीडियो में यह दावा किया। इसमें आंशिक रूप से जलती हुई लाश दिखाई दे रही थी। इसका अंग्रेजी सबटाइटल था, ÷रूसी, उत्तर कोरियाई सैनिकों के मरने के बाद भी उनके चेहरे छिपाने की कोशिश करते हैं।30 सेकंड के वीडियो में एक संदिग्ध उत्तर कोरियाई सैनिक का क्लोज-अप और अन्य फुटेज भी शामिल है, जिसमें एक एशियाई सैनिक कैमरे के सामने नहीं, नही कह रहा है, जबकि बैकग्राउंड में एक अन्य व्यक्ति कह रहा है, उसे मास्क लगाने के लिए कहो। मास्क

लगाओ।जेलेंस्की ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात करने और उनकी उपस्थिति को छिपाने का प्रयास करने के लिए रूसी सेना की निंदा की, उन्होंने कहा कि मास्को को इस तरह के अनादर के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, रूस न केवल यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को भेजता है, बल्कि इन लोगों के नुकसान को छिपाने की भी कोशिश करता है। और अब, हमारे योद्धाओं के साथ पहली लड़ाई के बाद, रूसी कोशिश कर रहे हैं... युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों के चेहरे को सचमुच जलाने की।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग के बीच सामने आया है। शनिवार को,यूक्रेन के रक्षा खुफिया अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी बलों के खिलाफ संयुक्त इकाइयों में लड़ते हुए लगभग 200 रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिकों के मारे जाने का अनुमान है।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया को काफी सैनिकों का नुकसान हुआ है। यह पहली बार है जब वाशिंगटन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के दौरान उत्तर कोरियाई लोगों की सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है।

फ्रांसीसी राजनयिकों ने नई सीरियाई सरकार के साथ की बातचीत की

एजेंसी

दमिश्क। दमिश्क पहुंचे फ्रांसीसी राजनयिकों ने राजनयिक संबंधों में 12 साल के अंतराल के बाद सीरिया में नए अधिकारियों के साथ बातचीत की। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, टीम ने संक्रमण अधिकारियों द्वारा नियुक्त एक प्रतिनिधि से बात की। उन्होंने कहा कि 2011 की क्रांति के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए, जिसका उसने समर्थन किया था। फ्रांस एक शांतिपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन की आशा करता है जो सीरियाई समाज के सभी घटकों का प्रतिनिधित्व करेगा और अधिकारों का सम्मान करेगा। बयान में कहा गया, महिलाओं सहित सभी सीरियाई; यह नागरिकों, विशेष रूप से जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देगा और यह राज्य संस्थानों की रक्षा करेगा और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी देगा। मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस सामूहिक सुरक्षा के हितों को सुनिश्चित करने पर ध्यान देगा, जिसमें इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह (आईएस, या आईएसआईएस, रूस में प्रतिबंधित) और अन्य

आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई जारी रखना शामिल है और सीरिया में अपनी प्रतिबद्धताओं को इसके आधार पर मानदंड निर्धारित करेगा।बयान में कहा गया है कि राजनयिकों ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

गोपनीयता नीति' के उल्लंघन को लेकर मस्क, स्पेसएक्स पर जांच शुरू

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क और उनकी कंपनी स्पेसएक्स कथित 'गोपनीयता नीति' के उल्लंघन के कारण अमेरिकी सरकारी एजेंसियों की जांच के दायरे में आ गए हैं। बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्रालय के महानिरीक्षक कार्यालय, वायु सेना और पेंटागन के खुफिया एवं सुरक्षा उपमंत्री, रक्षा कार्यालय सहित संघीय एजेंसियों ने स्पेसएक्स तथा उसके मालिक के खिलाफ तीन बार समीक्षा की है। इन

एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने और उनकी कंपनी ने राष्ट्र हित का ध्यान न रखते हुये, सुरक्षा रिपोर्टिंग नियमों का बार-बार उल्लंघन किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि उद्योगपति मस्क और व्यवसायी विवेक रामास्वामी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करेंगे। इस संबंध में 'एक्स' के मालिक ने कहा था कि नवनिर्मित विभाग का उद्देश्य अमेरिकी रक्षा खर्च की दक्षता बढ़ाना है।

खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या की साजिश मामले पर अमेरिका-भारत ने जानकारी का आदान-प्रदान किया : यूएस विदेश विभाग

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के अनुसार, भारतीय जांच पैनल और अमेरिकी सरकारी एजेंसियों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान हो रहा है। भारत ने अमेरिकी खालिस्तानी की हत्या की साजिश के आरोपों की जांच के लिए पैनल का गठन किया है।मिलर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हम अपनी जांच के परिणामों के बारे में उन्हें नियमित रूप से जानकारी देते रहे हैं।

भारत ने पिछले साल इस मामले के सभी पहलुओं पर गौर करने के लिए पैनल का गठन किया था, जब अमेरिका ने एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ आरोप दायर किए थे। आरोप लगाया गया था कि वह खालिस्तानी अलगाववादी

गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ न्यूयॉर्क में हत्या की साजिश में शामिल था। इस साल रॉ के साथ काम कर चुके एक पूर्व पुलिस अधिकारी विकास यादव पर भी कथित सह-षड्यंत्रकारी के तौर पर आरोप लगाया गया था।यह पूछे जाने पर कि क्या सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू की हाल की भारत यात्रा के दौरान इस मामले पर चर्चा हुई थी, मिलर ने कहा कि वह इस यात्रा के बारे में कुछ नहीं कह सकते। हालांकि उन्होंने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि भारत सरकार के साथ हमारे सभी वरिष्ठ-स्तरीय बैठकों में, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे हम उठाते हैं।मिलर ने कहा, हमने उनके साथ इस बात पर जोर दिया है कि हम इस अपराध के लिए आखिरकार जवाबदेही देखना चाहते हैं।गुप्ता ने अमेरिकी संघीय अदालत में आरोपों से इनकार किया है। चेक गणराज्य में गिरफ्तार किए जाने और अमेरिका को प्रत्यर्पित किए जाने के बाद उन पर मुकदमा चल रहा है।

वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आने से भारी नुकसान

एजेंसी

सिडनी। दक्षिण प्रशांत महासागरीय देश वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजनयिक मिशन सहित कुछ इमारतों को 'काफी नुकसान' हुआ। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थानीय समयानुसार 12:47 बजे आया, जिसकी गहराई 43 किलोमीटर थी।

समाचार एजेंसी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) के हवाले से बताया कि वानुअतु में आए भूकंप के बाद पोर्ट विला के एक अस्पताल में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और सामूहिक नुकसान की संख्या के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई।गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने बताया, संचार व्यवस्था बाधित होने, फोन लाइन्स और सरकारी वेबसाइट्स के बंद होने के कारण नुकसान की सीमा के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, लेकिन भूकंप के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर व्यापक विनाश की खबरें सामने आने लगी। फिजी में रेड क्रॉस के प्रवक्ता ने बताया कि जमीन पर मौजूद कर्मचारी काफी नुकसान की

रिपोर्ट कर रहे हैं। वानुअतु प्रसारण और टेलीविजन निगम के कई फुटेज में विला सेंट्रल अस्पताल के बाहर भीड़ दिखाई दे रही है, जो घायल लोगों को स्ट्रेचर पर उठा रही है।गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने पोर्ट विला में रहने वाले पत्रकार डैन मैकगैरी के हवाले से कहा कि उन्होंने अस्पताल के बाहर तीन लोगों को ÷स्पष्ट रूप से संकट में÷ देखा। मैकगैरी ने कहा, ÷यह मेरे द्वारा वानुअतु और प्रशांत द्वीप समूह में रहने के दौरान 21 वर्षों में अनुभव किया गया सबसे भयंकर भूकंप था। मैंने बहुत सारे बड़े भूकंप देखे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। एबीसी ने बताया कि भूकंप में ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और न्यूजीलैंड के दूतावास भवन क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि न्यूजीलैंड के उच्चायोग भवन, जो अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटिश मिशनों के साथ स्थित हैं, उसे काफी नुकसान पहुंचा है।

कडिप्टी पीएम के पद छोड़ने से गहराया राजनीतिक संकट, ट्रूडो के इस्तीफे की मांग

एजेंसी

टोरंटो । कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की मांग फिर से देश में उठने लगी है। उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर ट्रूडो से अनबन के चलते इस्तीफा दे दिया।सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के एक तिहाई सांसदों ने कनाडा में नेतृत्व परिवर्तन की मांग की है, जिससे देश में राजनीतिक संकट और गहरा गया है। कनाडाई मीडिया ने बताया कि ट्रूडो ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह प्रधानमंत्री के पद पर बने रहेंगे या इस्तीफा देंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सदस्यीय कॉकस में से उनके पद से हटने की मांग करने वाले विद्रोही सांसदों की संख्या बढ़कर लगभग 60 हो गई है। लिबरल पार्टी के नेता ट्रूडो अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पियरे पोलिएवर से सर्वे में 20 अंक पीछे हैं, जिन्होंने सितंबर से ट्रूडो सरकार को गिराने और शीघ्र चुनाव कराने के लिए तीन बार प्रयास किया है। फ्रीलैंड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने त्यागपत्र में कहा, हमारा देश आज गंभीर चुनौती

का सामना कर रहा है। उन्होंने कनाडा से आयातित वस्तुओं पर ट्रंप की 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना की ओर इशारा किया।

फ्रीलैंड ने कनाडा के वित्त मंत्री के पद से भी इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे से प्रधानमंत्री ट्रूडो के खिलाफ उनके मंत्रिमंडल में पहली बार खुली असहमति पैदा हुई, जिससे सत्ता पर उनकी पकड़ को खतरा पैदा हो गया। उन्होंने अपने त्यागपत्र में लिखा, पिछले कुछ सप्ताहों से आप और मैं कनाडा के लिए सर्वोत्तम मार्ग के बारे में असहमत हैं।साल 2013 में पहली बार संसद के लिए चुनी गई पूर्व पत्रकार फ्रीलैंड दो साल बाद ट्रूडो के मंत्रिमंडल में शामिल हुईं, जब लिबरल्स पार्टी सत्ता में आई। उन्होंने व्यापार और विदेश मंत्री सहित प्रमुख पदों पर काम किया और यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार वार्ता का नेतृत्व किया था।

सीरिया में 8,80,000 से अधिक लोग हुए विस्थापित : यूएन

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। सीरिया में हिंसक संघर्ष बढ़ने के बाद 8,80,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्ताओं ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के सहयोगियों ने अनुमान लगाया है कि लगभग 6 प्रतिशत विस्थापित कम से कम एक प्रकार की विकलांगता के साथ जी रहे हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, वापसी की गतिविधियां तेज हुई हैं, सहयोगियों ने रविवार को 2,20,000 से अधिक लोगों के लौटने की सूचना दी है। वहीं, इसके अतिरिक्त, 40,000 से अधिक विस्थापित लोग पूर्वोत्तर सीरिया में लगभग 250 सामूहिक केंद्रों में रह रहे हैं। कार्यालय ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र और भागीदार भोजन, पानी, नकदी, टेंट और कंबल की सप्लाई कर

रहे हैं। वहीं, वैश्विक टीम मेडिकल टीम और आपूर्ति भी तैनात कर रहा है।सीरियाई अरब रेड क्रिसेंट और रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूएनआईसीईएफ) के सहयोग से शुक्रवार को सीरिया के अलेप्पो प्रांत में तिशरीन बांध की सुविधा की तत्काल और महत्वपूर्ण मरम्मत के लिए एक संयुक्त मिशन चलाया।यूएनआईसीईएफ ने बैकअप जनरेटर को बिजली देने के लिए ईंधन की भी व्यवस्था की, जिससे बांध की सुरक्षित जल निकासी और जल आपूर्ति की सुरक्षा हो सके। पिछले सप्ताह बांध के पास हिंसा के कारण बिजली सप्लाई बाधित हुई, पानी और अन्य प्रमुख सेवाएं बाधित हुईं, जिससे क्षेत्र के लाखों लोग प्रभावित हुए। मानवीय मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव और इमरजेंसी रिलीफ कोऑर्डिनेटर टॉम फ्लेचर ने राहत प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए दमिश्क में सीरियाई संक्रमणकालीन अधिकारियों से मुलाकात की। ओसीएचए ने अपनी एक सप्ताह की मध्य पूर्व यात्रा के बारे में कहा, ÷क्षेत्र में इतने तेजी से हो रहे बदलावों और दीर्घकालिक जरूरतों के समय, फ्लेचर की यात्रा में लेबनान, तुर्की और जॉर्डन में भी रुकना शामिल होगा।

रूस के जनरल की घर के बाहर विस्फोट में मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस के मॉस्को में रूसी सशस्त्र बल के एक जनरल और उनके सहायक की यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के हमले में मौत हो गयी। मीडिया रिपोर्टों में एक यूक्रेनी स्रोत के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी गयी। रूस की जांच समिति (एसके) ने बताया कि परमाणु, जैविक एवं रासायनिक रक्षा बलों (एनबीसी) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव मंगलवार की सुबह एक आवासीय ब्लॉक के बाहर थे, इसी दौरान स्कूटर में छिपाकर रखे गये एक उपकरण में दूर से विस्फोट किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन की एसबीयू सुरक्षा सेवा ने जनरल किरिलोव पर वैध लक्ष्य होने का आरोप लगाया है और आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध अपराध किये थे। यूक्रेन एसबीयू की सुरक्षा सेवा ने 54 वर्षीय जनरल किरिलोव पर टेलीग्राम पर आरोप लगाया कि वह प्रतिबंधित रासायनिक हथियारों के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेनी सरकार ने अभी तक

जनरल की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी मॉस्को के घटनास्थल की तस्वीरों में एक इमारत का प्रवेश द्वार बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिख रहा है, दीवारों पर झुलसने के निशान हैं और कई खिड़कियां उड़ गई हैं। सड़क पर दो बॉडी बैग भी देखे जा सकते थे। रूसी जांचकर्ताओं के क्षेत्र में तलाशी जारी रखने के चलते सुबह ब्लॉक की घेराबंदी कर दी गई। ब्रिटेन ने अक्टूबर में जनरल किरिलोव पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा था कि उन्होंने यूक्रेन में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल की निगरानी की थी और क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) दुष्प्रचार के लिए महत्वपूर्ण मुखपत्र के रूप में काम किया था।

सीरिया में राहत सहायता के लिए मानवीय दूत भेजा गया : गुटेरस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि उन्होंने सीरिया के संक्रमणकालीन सरकार के साथ मानवीय सहायता पर जुड़ने के लिए मानवीय मामलों के अपने अवर

महासचिव एवं आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर को सीरिया भेजा है।श्री गुटेरेस ने एक बयान में कहा कि सीरिया में हाल के घटनाक्रमों के जवाब में, मैंने सीरिया में मानवीय सहायता बढ़ाने के लिए कार्यवाहक सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए मानवीय मामलों के अपने अवर महासचिव एवं आपातकालीन राहत समन्वयक, टॉम फ्लेचर को दमिश्क भेजा है। श्री फ्लेचर ने सोमवार को नए प्रशासन के कमांडर, श्री अहमद अल-शरा और कार्यवाहक सरकार के प्रधानमंत्री, श्री मोहम्मद अल-बशीर से मुलाकात की बयान में कहा गया कि श्री गुटेरेस ने नागरिकों एवं मानवीय कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए नयी सीरियाई सरकार की प्रतिबद्धता का स्वागत किया।

वाशिंगटन में बंद सीरियाई दूतावास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं : अमेरिकी विदेश विभाग

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन स्थित सीरियाई दूतावास (जो 2014 से बंद है) की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जवाब दिया, नहीं, ऐसा नहीं है। उनसे एक रिपोर्टर ने इस बात की पुष्टि करनी चाही कि वाशिंगटन डी.सी. में सीरियाई दूतावास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मिलर की यह टिप्पणी सीरिया टीवी के उस बयान के एक दिन बाद आई कि वाशिंगटन स्थित सीरियाई दूतावास सोमवार को फिर से खुल जाएगा। सरकारी प्रसारक को अब हयात तहरीर अल-शाम नियंत्रित करता है। हयात तहरीर अल-शाम मुख्य मिलिशिया है, जिसने पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। मिलर ने कहा कि अमेरिकी सरकार वाशिंगटन शहर में स्थित सीरियाई दूतावास की इमारत को नियंत्रित नहीं करती है, न ही वह वहां होने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करती है।दूतावास पर सीरियाई

विपक्षी ध्वज फहराए जाने की खबर पर मिलर ने कहा कि यह निर्णय संयुक्त राष्ट्र में सीरिया के स्थायी प्रतिनिधि द्वारा लिया गया था, जिसे अमेरिकी सरकार से कोई मान्यता नहीं मिली थी। पत्रकारों के लिए एक अमेरिकी घरेलू संघ, नेशनल प्रेस क्लब (एनपीसी) द्वारा सोमवार को प्रदान की गई एक न्यूज एडवायजरी में कहा गया कि सीरियाई दूतावास को पूर्वी समयानुसार दोपहर 3:00 बजे फिर से खोला जाना था, और डेबरा टाइस, अमेरिकी स्वतंत्र पत्रकार ऑस्टिन टाइस की मां - जिसे सीरिया में कथित तौर पर अगवा कर लिया गया था और जिसका पता नहीं चल पाया है - उद्घाटन समारोह में भाग लेंगी। सिन्हुआ ने दूतावास को फिर से खोलने की पुष्टि के लिए एनपीसी से संपर्क किया है।

जावेद डार ने पशुपालन, भेड़पालन विभागों पर बजटीय बैठक की अध्यक्षता की

जम्मू 18 दिसंबर। कृषि उत्पादन एवं ग्रामीण विकास मंत्री जावेद अहमद डार ने नागरिक सचिवालय में पशुपालन एवं भेड़पालन विभागों के लिए एक व्यापक बजटीय बैठक की अध्यक्षता की।

शुरुआत में, मंत्री ने दोनों विभागों के समग्र कामकाज की समीक्षा, कार्यों का समय पर प्रक्षेपण, अनुमान निर्माण और किसानों के कल्याण के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं और पहलों के कार्यान्वयन के आकलन पर ध्यान केंद्रित किया।

बैठक के दौरान, मंत्री ने विभाग-विशिष्ट योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें किसानों और पशुधन के कल्याण के साथ उनका संरेखण सुनिश्चित किया गया। हितधारकों को कुशल निष्पादन और समय पर लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जावेद डार, जो चुनाव और सहकारिता विभागों के मंत्री भी हैं, ने किसानों सहित हितधारकों के साथ सार्थक परामर्श में संलग्न होने के महत्व को रेखांकित किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नीतियां और कार्यक्रम व्यावहारिक और लाभकारी दोनों हों।

मंत्री ने कहा, किसानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श से प्रभावी बजटीय निर्माण, कार्यों की प्राथमिकता और योजनाओं के बेहतर सुविधा और सुदृढ़ कार्यान्वयन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पशुधन क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।卐

मंत्री ने विभागीय प्रमुखों को समन्वय तंत्र को मजबूत करने और पशुधन क्षेत्र में उत्पादकता और कल्याण को बढ़ाने के लिए चुनौतियों का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं की निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उपायुक्त पुंछ ने गांव टांडा में पुल के शीघ्र निर्माण का आष्वासन दिया

पुंछ 18 दिसंबर। उपायुक्त विकास कुंडल ने स्थानीय बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने हेतु खानेतर के पास टांडा गांव का दौरा किया। निवासियों से सीधे बातचीत करते हुए उन्होंने टांडा पुल के निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग के बारे में उनकी चिंताओं को सुना।

दौरे के दौरान, समुदाय के सदस्यों ने ग्रिड स्टेशन से मोहल्ला चांगला कुरेशियान तक सड़क के शुरुआती बिंदु पर पुल की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उपायुक्त ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए पीडब्ल्यूडी (आरएंडबी) के कार्यकारी अभियंता को पुल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

गमलों में स्ट्रॉबेरी कैसे उगाएं

अपने घर के पिछवाड़े में प्रचुर मात्रा में स्ट्रॉबेरी की उपज उगाने से अधिक संतुष्टिदायक कुछ भी नहीं है। स्ट्रॉबेरी हमारे पसंदीदा फलों में से एक है जिसे अपने बगीचे में उगाना आसान है।

स्ट्रॉबेरी गमलों और कंटेनरों में भी अच्छी तरह से बढ़ती है। पौधों को नियमित गमलों, लटकती टोकरियों या खिड़की के बक्सों में रखें और इनके उगाने और खाने का आनंद लें। कुछ शौकीन लोग टेरा-कोटा स्ट्रॉबेरी बर्तनों का उपयोग करना पसंद करते हैं।

अपाटमेंट की बालकनियों, सामने की छतों या आँगनों पर स्ट्रॉबेरी के पौधों की खेती का आनंद लेने के लिए कंटेनर एक कम रखरखाव वाला और सुविधाजनक तरीका है। यहां गमलों में अपनी खुद की स्ट्रॉबेरी उगाने का तरीका बताया गया है।

बढ़ने और देखभाल संबंधी युक्तियाँ

स्ट्रॉबेरी की जड़ों के बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह वाला गमला चुनें। स्ट्रॉबेरी को भीड़भाड़ पसंद नहीं है, इसलिए प्रत्येक कंटेनर में तीन (या दो) पौधे रखें। सर्वोत्तम परिणामों के लिए कंटेनरों में नाम-ब्रांड की मिट्टी का उपयोग करें। पौधों को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त धूप और पानी दें।

रोशनी

पूर्ण सूर्य में उगाए जाने पर स्ट्रॉबेरी अधिक उपज देती है। स्ट्रॉबेरी कंटेनर को धूप वाले क्षेत्र में रखें जहां हर दिन आठ घंटे सूरज मिलता हो। यदि एक तरफ छाया है, तो कंटेनर को हर कुछ दिनों में घुमाएँ।

मिट्टी

स्ट्रॉबेरी को ब्रांड-नाम वाली मिट्टी वाले कंटेनर में रोपें जो ढीली और अच्छी जल निकासी वाली हो। पौधे दोमट मिट्टी पसंद करते हैं जो अम्लीय हो। स्ट्रॉबेरी को केवल चार से छह इंच मिट्टी में लगाने की जरूरत है, इसलिए उथले कंटेनर काम करेंगे। अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए तली में छेद वाले कंटेनर का उपयोग करें।

स्ट्रॉबेरी को प्रति सप्ताह एक या दो इंच पानी दें। जब फल बनना शुरू हो जाए तो नियमित रूप से पानी दें। कंटेनरों में पौधे अधिक बार सूखते हैं, इसलिए गर्म तापमान में हर दिन मिट्टी की नमी की जांच करना सुनिश्चित करें।

उर्वरक

कंटेनरों में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पूरक आहार से लाभ होता है। हर तीन या चार सप्ताह में उपयुक्त उर्वरक का उपयोग करें और पतझड़ में जब अगले वर्ष की बारहमासी कलियाँ बन रही हों, तब भी।

बर्तनों के लिए स्ट्रॉबेरी के प्रकार

उद्यान केंद्र में पौधों की तलाश करते समय, अपने क्षेत्र के लिए सर्वोत्तम चयन चुनें। स्ट्रॉबेरी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है. जून-फल वाली किस्मों को पूरे दक्षिण में भरोसेमंद उत्पादक के रूप में जाना जाता है और प्रति वर्ष देर से वसंत या गर्मियों की शुरुआत में एक फसल पैदा होती है।

सदाबहार प्रकार दो फसलें पैदा करते हैं - एक देर से वसंत या गर्मियों की शुरुआत में और दूसरी पतझड़ में।

डे-न्यूट्रल, तीसरा प्रकार, प्रति वर्ष दो फसलें भी पैदा करता है; यह पतझड़ में लंबे समय तक और बेहतर गुणवत्ता के साथ फल उगाता है।

गमलों में स्ट्रॉबेरी लगाना

आप स्ट्रॉबेरी को बीज से शुरू कर सकते हैं और पत्तियां आने पर उन्हें स्ट्रॉबेरी पॉट या अन्य कंटेनर में ट्रांसप्लांट कर सकते हैं, या बगीचे के केंद्र से पौधे खरीद सकते हैं।

1. जल निकासी छेद वाले कंटेनर में नाम-ब्रांड की मिट्टी डालें।

2. गमले की मिट्टी को ढँक दें और पौधे के शीर्ष को, जहाँ पत्तियाँ जड़ों से मिलती हैं, सतह पर रखें। जड़ों को फैलाएं और शीर्ष तक मिट्टी से ढक दें। प्रति 12-इंच कंटेनर में केवल तीन पौधों का उपयोग करके, पौधों को बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह दें।3. उन्हें अच्छे से पानी दें.

4. गमले को ऐसे क्षेत्र में रखें जहाँ पूरे पौधे को हर दिन 8 घंटे या अधिक सूरज मिले।5. पक्षियों और अन्य जानवरों को पौधों से दूर रखने के लिए जाल से ढकें।

6. सप्ताह में लगभग एक बार पानी दें या जब सतह से एक इंच नीचे की मिट्टी सूखी लगे।

अतिशीतकालीन

मतौर पर, स्ट्रॉबेरी के पौधों को ठंडी जलवायु में गीली घास की एक परत द्वारा संरक्षित किया जाना चाहिए। कंटेनरों में स्ट्रॉबेरी को एक गैरेज या शेड में ले जाया जा सकता है जो 28 डिग्री फ़ारेनहाइट से ऊपर रहता है। ठंडे वातावरण में, गर्मी के लिए बर्तन को घर की अंदर की दीवार के सामने रखें और यदि आवश्यक हो तो इन्सुलेशन के लिए पुआल का उपयोग करें। जब शीर्ष सुप्त हो जाएं, भूरे और सिकुड़े हुए हो जाएं तो पौधों को हटा दें। किसी भी मृत पत्तियों को हटा दें. कभी-कभी पानी दें।

उपराज्यपाल ने श्री राघवेंद्र पंचांग के रजत जयंती अंक का अनावरण किया

जम्मू 18 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू विश्वविद्यालय में श्री राघवेंद्र पंचांग के रजत जयंती अंक का अनावरण किया।

अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने पंचांग की संपादकीय टीम चंद्र मौली रैना और श्री राघवेंद्र ज्योतिष संस्थान ट्रस्ट के सभी सदस्यों को इस अवसर पर बधाई दी।

उन्होंने लोगों को परंपराओं के बारे में जागरूक करने और पंचांग की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्ट के प्रयासों की भी सराहना की, जो देश की समग्र संस्कृति और समृद्ध विरासत को दर्शाता है।

उपराज्यपाल ने कहा 卐मेरा मानना है कि ज्योतिष और प्राचीन शास्त्रों पर हमारे शोध को सभी क्षेत्रों के लोगों के जीवन को छूना चाहिए। हमें वैश्विक भलाई को बढ़ावा देना चाहिए। हमें अपने नागरिकों के बीच आध्यात्मिक रूप से समृद्ध जीवन और मूल्य-आधारित जीवन के महत्व को फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।卐

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अपनी सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए इतिहास को समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 卐भविष्य की स्पष्ट दृष्टि और लक्ष्यों के लिए जड़ों की ओर लौटना चाहिए।

उपराज्यपाल ने श्री राघवेंद्र ज्योतिष संस्थान ट्रस्ट को मूल्य संवर्धन के लिए पंचांग के डिजिटल प्रकाशन और मोबाइल एप्लीकेशन की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन परंपराओं में मौजूद ज्ञान और बुद्धिमत्ता को लोगों, खासकर युवा पीढ़ी तक आसानी से पहुँचाया जाना चाहिए। उपराज्यपाल ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले कई संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर जम्मू विष्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. उमेश राय, उत्तराखंड विष्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, श्री राघवेंद्र ज्योतिष संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष चंद्र मौली रैना, जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रमुख प्रो. राम बहादुर शुक्ला और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जेएमसी के पूर्व मेयर राजिंदर शर्मा भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने डोडा शहर में विकास कार्यों का निरीक्षण किया, जनता की शिकायतों का समाधान किया

डोडा 18 दिसंबर। उपायुक्त हरविंदर सिंह ने डोडा के डाउनटाउन क्षेत्र का व्यापक दौरा कर वहां चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया तथा स्थानीय लोगों की शिकायतों को सुना।

दौरे के दौरान, उपायुक्त ने बहुमंजिला कार पार्किंग परियोजना, पुराने बस स्टैंड पर ड्रेनेज सिस्टम के नवीनीकरण और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सहित प्रमुख बुनियादी ढांचे के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा करने के लिए विशिष्ट निर्देश जारी किए।

प्रभावी यातायात प्रबंधन पर जोर देते हुए, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शहर में भीड़भाड़ को कम करने के लिए निर्माणाधीन बहुमंजिला कार पार्किंग के भूतल को चालू करने का निर्देश दिया। उन्होंने आसपास के दुकानदारों से भी बातचीत की और सुचारू यातायात प्रवाह और व्यवस्थित पार्किंग प्रथाओं को बनाए रखने में उनके सहयोग का आग्रह किया।

एसीआर सुनील भुट्याल, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी सज्जाद अहमद, कार्यकारी अभियंता पीडीडी रौफ भट्ट और डिप्टी एस.पी. यातायात के.डी. सिंह सहित अधिकारियों की एक टीम के साथ डीसी ने शहर में चल रहे कचरा प्रबंधन प्रयासों का निरीक्षण किया। उन्होंने कचरा प्रबंधन टीम को ठोस, तरल और बाजार के कचरे के निपटान के लिए स्थायी समाधान लागू करने का निर्देश दिया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने अकरमाबाद में एमसी द्वारा संचालित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कचरे के इष्टतम उपयोग और केंद्र के उचित कामकाज की आवश्यकता पर जोर दिया। अकरमाबाद में ट्रक टर्मिनल पर उपायुक्त ने अधिकारियों को साफ-सफाई बनाए रखने और सुविधा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने डीपीएल डोडा के निकट बूचड़खाने का भी निरीक्षण किया और नगर निगम अधिकारियों को इसकी उचित साफ-सफाई, जलापूर्ति और पास के नाले की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आसपास के क्षेत्र में अवैध पार्किंग से बचने और स्वच्छता की स्थिति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पीडीडी अधिकारियों को सड़कों को बाधित करने वाले बिजली के खंभों को हटाने का निर्देश दिया और बहुमंजिला कार पार्किंग परियोजना की निर्माण एजेंसी को सार्वजनिक सुविधा के लिए पार्किंग क्षेत्र के चारों ओर फुट टाइल लगाने का निर्देश दिया।

जनता की शिकायतों को हल करते हुए, डीसी हरविंदर सिंह ने गलत पार्किंग और सड़क किनारे सामान रखने वाले दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर जोर दिया। उन्होंने एक स्वच्छ और व्यवस्थित शहर सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया, यातायात प्रबंधन, नगरपालिका अधिकारियों और निवासियों सहित सभी हितधारकों से शहर के सतत विकास में सहयोग करने का आग्रह किया। इस दौरे में नागरिक मुद्दों को हल करने, विकास कार्यों में तेजी लाने और डोडा में समग्र बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में सुधार करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।